सुविचार

यदि आपके भीतर आत्मविश्वास और मेहनत करने का जज़्बा है, तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको अपनी मंजिल तक पहुँचने से नहीं रोक सकती।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

श्रेयस अय्यर बनें भारत के अगले टी20 कप्तान : पूर्व चयनकर्ता देवांग गांधी...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 155 | दिनांक : शनिवार, 06 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

मोदी सरकार में जल्द हो सकता है बड़ा बदलाव

राज्यसभा टिकटों से मिले संकेत, मोदी कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज

- दो मंत्रियों को राज्यसभा नहीं भेजने का फैसला, मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा शुरू

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

05 जून (एएम नाथ)

भारतीय जनता पार्टी द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा के बाद केंद्र सरकार में संभावित फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी ने दो केंद्रीय मंत्रियों को दोबारा राज्यसभा भेजने का फैसला नहीं किया है, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में मोदी मंत्रिपरिषद में बदलाव की अटकलें जोर पकड़ने लगी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष आगामी 9 जून को पूरे करने जा रहे हैं। ऐसे में पिछले कार्यकालों के अनुभवों को देखते हुए माना जा रहा है कि सरकार संगठन और सत्ता के बीच नए संतुलन की कवायद कर सकती है। मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में भी समय-समय पर मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल किए गए थे, जिनके जरिए प्रदर्शन, राजनीतिक जरूरतों और चुनावी समीकरणों को साधने का प्रयास किया गया था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगले वर्ष होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा केंद्रीय मंत्रिमंडल में बदलाव कर सकती है। पार्टी उन राज्यों को विशेष प्रतिनिधित्व देने की रणनीति अपना सकती है, जहां चुनाव होने हैं या जहां संगठन को और मजबूती देने की जरूरत महसूस की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, संभावित फेरबदल में कुछ नए चेहरों को मौका मिल सकता है, जबकि कुछ मंत्रियों के विभागों में बदलाव भी किया जा सकता है। इसके अलावा सहयोगी दलों को भी अधिक प्रतिनिधित्व दिए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

हालांकि, सरकार और भाजपा नेतृत्व की ओर से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है। इसके बावजूद राज्यसभा टिकटों के वितरण और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए यह चर्चा तेज हो गई है कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही अपनी टीम में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव कर सकते हैं।

किन राज्यों में होने वाले हैं चुनाव

अगले साल पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें हिमाचल प्रदेश और पंजाब को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं। जिस तरह से पंजाब से आने वाले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को फिर से राज्यसभा सीट नहीं देने का फैसला किया गया है, उससे संकेत मिल रहा है कि पंजाब से किसी अन्य चेहरे को मंत्रिपरिषद में जगह मिल सकती है। पंजाब से आने वाले बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केंद्रीय महासचिव तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजने का फैसला किया गया है। इसी तरह कुछ अन्य मंत्रियों का राज्यसभा कार्यकाल भी इस साल पूरा हो रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सांसद हैं। उनका कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसी तरह उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के राज्य मंत्री बी एल वर्मा भी उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं और उनका कार्यकाल भी 25 नवंबर तक है।

इन नेताओं की हो सकती है छुट्टी

माना जा रहा है कि मोदी मंत्रिपरिषद में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, क्योंकि वहां बीजेपी ने पहली बार सरकार बनाई है। इसी तरह बिहार से कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को जगह मिलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश से भी कुछ नए चेहरे आ सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार सहयोगी दलों का कोटा फिलहाल मौजूदा स्तर पर ही रहेगा। यानी सहयोगी दलों से कोई नया मंत्री बनाए जाने की संभावना नहीं है। सत्तर वर्ष के अधिक उम्र के कुछ मंत्रियों की छुट्टी होने की संभावना है। कुछ मंत्रियों को पार्टी संगठन में भेजे जाने की भी चर्चा है। कहा जा रहा है कि इस बार मंत्रिपरिषद का फेरबदल बड़े स्तर पर होगा, जिसमें कई चौंकाने वाले नाम हो सकते हैं।

किन राज्यों के नेताओं को फायदा

उत्तर प्रदेश की 11 राज्यसभा सीटों पर इस साल के अंत में चुनाव होना है। जबकि अगले साल की शुरूआत में यूपी में विधानसभा चुनाव होगा। उसी के साथ उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर के भी चुनाव कराए जाएंगे। जबकि अगले साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा के चुनाव होंगे।

संभावना है कि मंत्रिपरिषद फेरबदल में इन राज्यों से कुछ नए चेहरों को जगह मिल सकती है। कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाए जाने या फिर उनके विभाग बदलने की भी संभावना है। हाल की मंत्रिपरिषद बैठक में कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया था। इसमें जन शिकायत के समाधान और सुधारों को लेकर पांच सबसे बेहतरीन मंत्रालयों के नाम भी बताए गए थे। फाइलों को निपटाने में लगने वाले समय और अदालतों में लंबित मामलों को लेकर भी मंत्रालयों को कसौटी पर कसा गया था। माना जा रहा है कि मंत्रिपरिषद में फेरबदल में यह आकलन एक बड़ी भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

अंडमान में प्राकृतिक गैस का नया भंडार मिला

ऑयल इंडिया ने तीसरे खोजी कुएं में हाइड्रोकार्बन की पुष्टि

नई दिल्ली (ब्यूरो)- भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अंडमान के समुद्री इलाके में प्राकृतिक गैस का नया भंडार मिलने की पुष्टि हुई है। सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अपने तीसरे खोजी कुएं में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी दर्ज की है। इस खोज को देश के लिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे भविष्य में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

ऑयल इंडिया लिमिटेड ने जानकारी दी कि अंडमान के अपतटीय (ऑफशोर) ब्लॉक में स्थित विजयपुरम-3 नामक तीसरे खोजी कुएं में प्राकृतिक गैस मिली है। यह कुआं ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (OALP) के तहत ड्रिल किया गया है। कंपनी के मुताबिक यह खोज इस क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी का एक अहम संकेत है।

यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से करीब 15 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित है। यहां पानी की गहराई लगभग 355 मीटर है। ड्रिलिंग का काम भू-वैज्ञानिक स्तर इयोसीन (Eocene) में 1900 मीटर से ज्यादा गहराई तक किया गया, जिसके बाद गैस के संकेत मिले।

हिमाचल प्रदेश के चंबा व कांगड़ा में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

रिक्टर स्केल पर 5.0 आंकी गई तीव्रता

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश के चंबा और कांगड़ा में शुक्रवार रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.0 आंकी गई। चंबा और कांगड़ा जिले के अलावा भी आसपास के कई इलाकों में लगभग पांच सेकंड तक लोगों ने भूकंप के बड़े झटके महसूस किए। भूकंप आने के बाद लोग घरों से बाहर निकल गए। हालांकि अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। शुरुआती जानकारी के अनुसार भूकंप 10 बजकर 4 मिनट पर आया। वहीं भूकंप का केंद्र भरमौर के आसपास बताया जा रहा है और गहराई 5 किलोमीटर थी। वहीं तीव्रता 5.0 आंकी गई। भारतीय उपमहाद्वीप में भूकंप की गतिविधियां सामान्य मानी जाती हैं क्योंकि भारत कई सक्रिय फॉल्ट लाइनों पर स्थित है। उत्तर-पूर्वी भारत सहित हिमालय रेंज भूकंप की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। यह क्षेत्र भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट की टेक्टॉनिक गतिविधियों के कारण बार-बार कंपन महसूस करता रहता है।

काठमांडू में गूंजा भारत का नाम

पर्वतारोही यूटी पुलिस का जवान सचिन कुमार हुआ सम्मानित

- 28 देशों के 178 एवरेस्ट विजेताओं के बीच के रूप में मिला सम्मान
- नेपाल के राष्ट्रपति सहित कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां रहीं मौजूद

» प्रथम न्यूज । काठमांडू

05 जून (ब्यूरो)

काठमांडू में हुए कार्यक्रम के दौरान यूटी पुलिस और अपने परिवार का नाम रोशन करते हुए पर्वतारोही चंडीगढ़ पुलिस के जवान सचिन कुमार को 28 देशों के 178 एवरेस्ट विजेताओं के बीच के रूप में सम्मान

मिला ।इस मौके पर नेपाल के राष्टपति सहित कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां रहीं मौजूद रही। चंडीगढ़ पुलिस के जवान एवं अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही सचिन कुमार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित प्रतिष्ठित 2026 में (विशिष्ट अतिथि) के रूप में सम्मानित किया गया। वही यूटी पुलिस के आला अधिकारियो ने उन्हें शुभकानाए दी। उज्जवल भविष्य की कामना की।

यह सम्मान न केवल सचिन कुमार, बल्कि पूरे भारतवर्ष के लिए गर्व का विषय है ।सम्मेलन में नेपाल के राष्टपति रामचन्द्र पौडेल, संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री खड़क राज पौडेल, विभिन्न देशों के एंबेसी हेड्स, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि तथा विश्वविख्यात पर्वतारोहियों की गरिमामयी उपस्थिति रही ।कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मुकुंद प्रसाद निरौला, सुदर्शन नेपाल तथा पूरी नेपाल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन के दौरान पर्वतारोहण सुरक्षा, हिमालय संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, पर्वतीय पर्यटन और पर्वतीय बचाव अभियानों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया ।सम्मेलन में सचिन कुमार को मेडल एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष, चंडीगढ़ पुलिस, उनके परिवार, गुरुजनों, शुभचिंतकों और देशवासियों का सम्मान है ।उल्लेखनीय है कि सचिन कुमार विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट तथा विश्व की चौथी सर्वोच्च चोटी माउंट ल्होत्से को एक ही अभियान में सफलतापूर्वक फतह कर चुके हैं। वे चंडीगढ़ क्षेत्र एवं पंजाब के पहले पर्वतारोही हैं जिन्होंने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि जब भी वे किसी पर्वत शिखर पर पहुंचते हैं तो सबसे पहले भारत के तिरंगे को नमन करते हैं और गर्व के साथ उसे शिखर पर फहराते हैं। यूटी पुलिस के जवान सचिन कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों, गुरुजनों और उन सभी शुभचिंतकों को दिया जिन्होंने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने विशेष रूप से यूटी पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग के सहयोग और विश्वास के बिना इस मुकाम तक पहुंचना संभव नहीं था।

हिमाचल कैबिनेट में फेरबदल जल्द

मुख्यमंत्री सुक्खू ने खड़गे से की संगठन और चुनावी रणनीति पर चर्चा

» प्रथम न्यूज । शिमला

05 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल में फेरबदल जल्द होगा। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री के खाली चल रहे पद को भी जल्दी भरा जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बेंगलुरु से लौटने के बाद इस संबंध में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मंत्रणा की। सीएम सुक्खू ने कांग्रेस संगठन और सरकार के कामकाज सहित विभिन्न महत्वपूर्ण राजनीतिक और विकासात्मक मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से दिल्ली में मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष को प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं, चल रहे विकास कार्यों और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी।

बैठक के दौरान प्रदेश के विभिन्न मसलों पर मंत्रियों के साथ हुई चर्चाओं और सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में पंचायत चुनाव को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान कहा गया कि प्रदेश में कांग्रेस समर्थित प्रतिनिधि पंचायत चुनाव में बड़ी संख्या में चुनकर आए हैं, जो संगठन की जमीनी मजबूती को दर्शाता है। इस दौरान सीएम ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने अभी से संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियां शुरू करने पर जोर दिया, जिससे पार्टी आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर सके। राजनीतिक दृष्टि से इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसने वाला देश का पहला राज्य बना पंजाब : केजरीवाल

कहा, पंजाब की आप सरकार ने निजी स्कूलों में 5 फीसद से ज्यादा बढ़ाई गई फीस वापस करने के दिए आदेश

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

05 जून (एएम नाथ)

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में प्राइवेट स्कूलों पर नकेल कसने के सीएम भगवंत सिंह मान के फैसले का स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि पंजाब प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने स्कूलों में 5 फीसद से ज़्यादा बढ़ाई गई फीस को वापस करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जब आप की सरकार थी, तब वहां भी प्राइवेट स्कूलों में मनमाना बढ़ाई गई फीस वापस कराई थी।

वैसा ही अब पंजाब में होने जा रहा है। एक तरफ हम सरकारी स्कूल अच्छे कर रहे तो दूसरी तरफ निजी स्कूलों के बच्चों को फीस की मार से बचा रहे हैं। इसी तरह पूरे देश में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगनी चाहिए।

शुक्रवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो जारी कर कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने एक बहुत अच्छा निर्णय लिया है। दो दिन पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ऐलान किया है कि जल्द एक कानून लाया जाएगा। इसके तहत कोई भी प्राइवेट स्कूल एक साल में पांच फीसद से ज्यादा फीस नहीं बढ़ा पाएगा। लाइब्रेरी फीस, डेवलपमेंट फीस और अन्य सभी तरह की फीस को मिलाकर भी कोई स्कूल एक साल में पांच फीसद से ज्यादा की बढ़ोतरी नहीं कर सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले तीन साल में जिन स्कूलों ने 15 फीसद से ज्यादा फीस बढ़ाई है, उन्हें वह अतिरिक्त फीस रिफंड करनी पड़ेगी। उदाहरण के लिए, अगर पिछले तीन साल में किसी स्कूल ने 50 फीसद फीस बढ़ाई है, तो उसे 35 फीसद फीस रिफंड करनी पड़ेगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि क्या भारत के इतिहास में कभी ऐसा हुआ कि किसी प्राइवेट स्कूल को पैसे रिफंड करने पड़े हों और वे सीधे बैंक अकाउंट में वापस आए हों? पहले दिल्ली में ऐसा हुआ था, जब वहां हमारी सरकार बनी थी और हमने बच्चों के पैसे रिफंड कराए थे। अब यही पंजाब में होने जा रहा है। हर मां-बाप का सपना होता है कि उनके बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले। एक तरफ पंजाब में हम सरकारी स्कूल बहुत अच्छे कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में पंजाब केरल को भी पीछे छोड़कर पूरे देश में नंबर वन बन गया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दूसरी तरफ जो लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ाते हैं, उन पर फीस की मार पड़ती है। सारे प्राइवेट स्कूल खराब नहीं हैं, लेकिन कुछ स्कूल अनाप- शनाप फीस बढ़ा देते हैं, जिससे मां-बाप के ऊपर बहुत बड़ा बोझ पड़ता है। माता-पिता और बच्चों को राहत दिलाने के लिए यह एक बहुत बड़ा कदम है। पूरे देश के अंदर प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगनी चाहिए।

पंजाब ने जो किया है, वह पूरे देश को करना चाहिए और इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

ट्रंप ने मोदी को बताया अपना 'अच्छा दोस्त'

जल्द ही हो सकता है भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

वाशिंगटन (एजेंसी)- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताया और उनकी तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता हो जाएगा। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि कई सालों तक भारत ने अमेरिका का फायदा उठाया... वे हमसे बहुत ज्यादा टैरिफ वसूलते थे और कुछ नहीं देते थे... अब स्थिति पूरी तरह उलट गई है और हम भारत के साथ अच्छा पैसा कमा रहे हैं। लेकिन हम एक डील तक पहुंच जाएंगे क्योंकि मुझे आपका प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) बहुत पसंद है; वे मेरे अच्छे दोस्त हैं, हमारी अच्छी बनती है और हमारा अच्छा संबंध है।

ट्रंप ने पीएम मोदी के साथ अपने अच्छे व्यक्तिगत संबंधों पर जोर देते हुए भरोसा जताया कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझौता शीघ्र ही हो जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने मंगलवार को 60 देशों से आयातित सामान पर जबरन मजदूरी से जुड़े मुद्दे का हवाला देते हुए अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इनमें भारत भी शामिल है।

यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने 54 अर्थव्यवस्थाओं की सूची जारी की है, जिनमें भारत, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि देश शामिल हैं। इन देशों पर 10 प्रतिशत या 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाए जा सकते हैं।

संक्षिप्त न्यूज

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है : सुरजीत लाल

भीषण गर्मी में रेड क्रॉस सोसाइटी ने लगाई ठंडे मीठे जल की छबील

जालंधर, 5 जून (जगजीत डोगरा)– बढ़ती गर्मी और तेज धूप से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा निष्काम सेवा वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से ठंडे मीठे जल की छबील लगाई गई। इस दौरान राहगीरों, मजदूरों और आम लोगों को ठंडा जल वितरित कर गर्मी से राहत पहुंचाई गई। रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव सुरजीत लाल ने बताया कि उपायुक्त बलजीत बलिया के निर्देशों के तहत भीषण गर्मी को देखते हुए यह सेवा अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और गर्मी के इस मौसम में लोगों को राहत पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस सोसाइटी समय-समय पर विभिन्न सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन करती रहती है। छबील के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने ठंडे मीठे जल का सेवन किया और इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर निष्काम सेवा वेलफेयर सोसाइटी की प्रधान किरण नागपाल, चेयरमेन एसपी सिंह, सीनियर वाइस प्रधान सुषमा डोगरा, एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के नेक लाल, और स्वयंसेवकों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया।

चौथे वर्ष भी जलंधर रयान चेची ने जूनियर नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

जालंधर, 5 जून (जगजीत डोगरा)– जूनियर नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में टीम जलंधर रयान चेची ने राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में लाइट कॉन्टैक्ट एवं पॉइंट फाइट वर्गों में दोबारा स्वर्ण पदक जीता। इस तरह, वह लगातार चौथे वर्ष भी अपनी जीत की श्रृंखला जारी रखने में सफल रहे। वहीं, साकेत बेदी ने राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता। जलंधर टीम के संजय कुमार, अनिकेत, दिवेश राजपूत एवं तेजवीर सिंह ने भी रजत पदक जीते। पुष्कर शर्मा ने ओडिशा के खुर्दा में 30 मई से 3 जून तक आयोजित राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इन उप्लाभ्दियों से जालंधर के खिलाडियों ने पंजाब टीम को पहला स्थान हासिल करने में अपना योगदान दिया

जलंधर टीम के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। ओडिशा में आयोजित 2026 जूनियर नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में उन्होंने सभी ने सम्मानजनक स्थान हासिल किए। उनके कोच यदविंदर, पंजाब पुलिस के बॉक्सिंग कोच खेमचंद, सत्वा फिट फाउंडेशन के सदस्य, जेजे जोनेक्स, डॉ. प्रदीप कुमार सिंह (वरिष्ठ कोच), प्रियंका ठाकुर (अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता, किकबॉक्सिंग) एवं नरपिंदर सिंह (किकबॉक्सिंग कोच) ने इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनकी सफलता पर उन्हें बधाई दी।

खिलाड़ियों ने अपने कोच यदविंदर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। यदविंदर के उत्कृष्ट मार्गदर्शन के कारण ही खिलाड़ी राज्य स्तर पर चैंपियन बन सके, साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीत सके।

योग्य लाभार्थी महिलाओं को पहली जुलाई से मिलेगी वित्तीय सहायता

अन्य सभी श्रेणियों की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति की महिलाओं को मिलेंगे 1,500 रुपये प्रति माह

- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मुख्यमंत्री मांवा-धीयां सत्कार योजना की शुरुआत की तैयारियों का लिया जायजा
- सरकार पंजाब की 97 प्रतिशत महिलाओं को बनाएगी सशक्त : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज घोषणा की कि प्रदेश भर की पात्र महिलाओं को पहली जुलाई से मुख्यमंत्री मांवा-धीयां सत्कार योजना के तहत वित्तीय सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी। इस प्रमुख योजना के कार्यान्वयन का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना है कि वे स्वाभिमान से अपना जीवन व्यतीत कर सकें। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया कि मुख्यमंत्री मांवा-धीयां सत्कार योजना के तहत पंजाब की हर पात्र महिला को 1,000 रुपये प्रति माह, जबकि अनुसूचित जाति (एस.सी.) श्रेणी से संबंधित महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह मिलेंगे। उन्होंने कहा, फंड सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए जाएंगे और जो महिलाएं पहले से ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही हैं, वे भी इस योजना के तहत पात्र होंगी। पंजाब की लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को इस पहल का लाभ मिलने की उम्मीद है और पंजाब सरकार ने इस योजना को लागू करने के लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस योजना के बड़े सामाजिक महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि यह वित्तीय सहायता महिलाओं को अमीर नहीं बनाएगी, लेकिन यह उन्हें स्वाभिमान अवश्य प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, महिलाएं सबसे अधिक सम्मान की हकदार हैं क्योंकि वे स्वयं जीवन का स्रोत हैं। माताओं और बहनों के आशीर्वाद दुनिया की हर चुनौती को पार करने में मदद कर सकते हैं। परिवार की भलाई में सुधार, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और सामाजिक तथा आर्थिक निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करना बहुत आवश्यक है।

पंजीकरण प्रक्रिया की प्रगति का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में पंजीकरण पहले ही शुरू हो चुका है और हर रोज लाखों महिलाओं के नाम दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, अनुसूचित जाति श्रेणी से संबंधित महिलाओं को इस योजना के तहत 1,500 रुपये प्रति माह मिलेंगे। पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण करने की जिम्मेदारी लगभग दो लाख महिला सत्कार सखियों को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे बताया कि ये पंजीकरण आंगनवाड़ी केंद्रों, सेवा केंद्रों और संबंधित जिलों में डिप्टी कमिश्नरों द्वारा विशेष रूप से निर्धारित अन्य स्थानों के माध्यम से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह पहल पंजाब भर में महिलाओं को सशक्त बनाने और यह सुनिश्चित करने में बहुत सहायक सिद्ध होगी कि वे सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सकें।

पंजाब में व्यापारियों की शिकायतों के 7 दिन में समाधान के निर्देश

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जून (एएम नाथ)

पंजाब के वित्त, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब भवन में पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन (पी.एस.टी.सी.) की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें व्यापारियों की सभी शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए। राज्य के व्यापारिक माहौल को और मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल अगले सप्ताह से व्यापारियों के साथ होने वाली बैठकों की व्यक्तिगत रूप से अध्यक्षता करेंगे, जिससे शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक तेज तथा प्रभावी बनाया जा सके।

समीक्षा बैठक की शुरुआत एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुति से हुई, जिसमें पिछली पी.एस.टी.सी. बैठकों के प्रमुख बिंदुओं तथा इन मंचों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी दी गई।

पी.एस.टी.सी. के चेयरमैन के रूप में बैठक की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री चीमा ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित पोर्टल की निरंतर निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि प्राप्त होने वाली शिकायतों का सात दिनों के भीतर पूर्ण समाधान किया जाए। प्रशासनिक देरी को समाप्त करने के उद्देश्य से उन्होंने आयोग के सदस्यों को सचिव-स्तरीय अधिकारियों के साथ सक्रिय व्हाट्सऐप संचार चैनल स्थापित करने तथा सभी संबंधित राज्य विभागों के मुख्यालयों में समर्पित नोडल अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

व्यापारी भाईचारे के सामने आने वाली सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए वित्त मंत्री ने स्पेशल डी.जी.पी. (कानून एवं व्यवस्था) को उनके कार्यालय में एक विशेष राज्य स्तरीय शिकायत सेल स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, यह समर्पित सेल सुनिश्चित करेगा कि व्यापारियों को प्रभावित करने वाले कानून-व्यवस्था संबंधी मामलों में तत्काल और उच्च-स्तरीय प्रशासनिक हस्तक्षेप हो, ताकि ऐसे मामलों का शीघ्र समाधान किया जा सके।

इसके अलावा वित्त मंत्री चीमा ने व्यापारी भाईचारे के साथ मजबूत संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हुए पी.एस.टी.सी. को निर्देश दिए कि जिला स्तरीय बैठकों की सूचना पर्याप्त समय पहले जारी की जाए। उन्होंने कहा, जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए इन बैठकों की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। विशेष रूप से मुख्यमंत्री की ओर से भेजे जाने वाले निमंत्रण पत्र निर्धारित बैठकों से कम-से-कम एक सप्ताह पहले संबंधित व्यापारियों तक पहुंचने चाहिए।

इससे पहले बैठक के दौरान पी.एस.टी.सी. के वाइस चेयरमैन अनिल ठाकुर तथा आयोग के विभिन्न सदस्यों ने जमीनी स्तर से प्राप्त महत्वपूर्ण फीडबैक और सुझाव साझा किए।

मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना के तहत गांव पाहड़ा में विशेष कैंप आयोजित

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
05 जून (संदीप सन्नी)

हलका इंचार्ज रमन बहल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना के तहत गांव पाहड़ा में एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया और लाभार्थियों की रजिस्ट्रेशन की गी।

इस संबंध में बात करते हुए बहल ने बताया कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट सत्र के दौरान %मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना की आधिकारिक घोषणा किए जाने के बाद जनता से की गई गारंटी को पूरा कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना% के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण का एक ऐतिहासिक निर्णय है। इस योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की जनरल कैटेगरी से संबंधित महिला को प्रति माह 1000 रुपए मिलेंगे और अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक योजना नहीं है बल्कि यह पंजाब की माताओं, बहनों और बेटियों का सम्मान करने का फैसला है। यह पैसा सीधे महिलाओं के बैंक खातों में जाएगा। इस योजना की शुरुआत 13 अप्रैल को बैसाखी के पावन अवसर पर की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष पंजीकरण कैंप लगाए जा रहे हैं ताकि हर महिला इस योजना का लाभ आसानी से उठा सके। यह योजना पंजाब की लाखों महिलाओं को आर्थिक ताकत और आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा कोऑर्डिनेटर गगन महाजन, चेयरमैन ब्लॉक कमेटी रणजीत सिंह राणा, युद्ध नशे विरुद्ध कोऑर्डिनेटर रणजीत सिंह पाहड़ा, गुरमिंदर सिंह गोगा पाहड़ा, सरपंच बलविंदर सिंह खालसा भुल्लेचक, सरपंच गुरजीव सिंह टिंकू बब्बरी, रूपेश कुमार बिट्टू, दविंदर सिंह हैप्पी और बलजिंदर सिंह गिल भी मौजूद थे।

पीएसएसएफ ने तीरथ सिंह बस्सी के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया है

जालंधर, 5 जून (कुलदीप सिंह) पंजाब अधीनस्थ सेवा महासंघ (पीएसएसएफ) के नेताओं ने प्रदेश

महासचिव तीरथ सिंह बस्सी के पिता मास्टर अवतार सिंह बस्सी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

नशे के खिलाफ गुरदासपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

21,000 एमएल अवैध शराब और भारी मात्रा में हेरोइन व ड्रग मनी के साथ 7 आरोपी गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
05 जून (संदीप सन्नी)

जिला पुलिस गुरदासपुर ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने विभिन्न थानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अवैध शराब, हेरोइन और ड्रग मनी बरामद कर कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए एसएसपी आदित्य ने बताया कि जिला पुलिस असामाजिक तत्वों और नशा कारोबारियों पर नकेल कसने के लिए लगातार प्रयासरत है।

मामला 1 : 21,000 एमएल अवैध शराब समेत 3 गिरफ्तार

पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर कुल 21,000 एमएल अवैध शराब बरामद की है-

थाना सदर गुरदासपुर : पुलिस ने परमजीत मसीह को गिरफ्तार कर उसके पास से 6,750 एमएल अवैध शराब बरामद की। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

थाना बहरामपुर : पुलिस ने बनारसी दास को गिरफ्तार कर उसके पास से 6,750 एमएल अवैध शराब बरामद की। इसके खिलाफ भी आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

थाना तिब्बड़ : पुलिस टीम ने एक महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7,500 एमएल अवैध शराब बरामद की। महिला आरोपी के खिलाफ थाना तिब्बड़ में आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत मामला दर्ज कर अगली कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मामला 2 : 31 ग्राम 117 मिलीग्राम हेरोइन और ड्रग मनी समेत 4 गिरफ्तार

हेरोइन तस्करी के खिलाफ की गई कार्रवाई में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 31 ग्राम 117 मिलीग्राम हेरोइन और 1,500 रुपए की ड्रग मनी बरामद की है

थाना सिटी गुरदासपुर- पुलिस ने हैप्पी कुमार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6 ग्राम हेरोइन बरामद की। आरोपी के खिलाफ थाना सिटी गुरदासपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-61-85 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

थाना दीनानगर (दो अलग-अलग मामले)– दीनानगर पुलिस ने दो अलग-अलग मुकदमों में कार्रवाई करते हुए पहले मामले में सलामत मसीह को 5 ग्राम 36 मिलीग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरे मामले में सुमित कुमार और बलजिंदर उर्फ मंगा को गिरफ्तार कर उनके पास से 20 ग्राम 81 मिलीग्राम हेरोइन और 1,500 रुपए की ड्रग मनी बरामद की। इन सभी के खिलाफ थाना दीनानगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-61-85 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

बिना सूचना बोर्ड लगाए किया जा रहा नाले का निर्माण, रात के समय हो रही दुर्घटनाएं

अमृतसर (साहिब दयाल) निजी कॉन्ट्रैक्ट कंपनी सतीश अग्रवाल द्वारा झब्बाल रोड पर नाले का निर्माण कार्य पिछले एक हफ्ते से कराया जा रहा है। काम आरंभ करने से पहले कार्य स्थल में सूचना पटल लगाया जाता है, लेकिन कंपनी द्वारा यहां निर्माण कार्य से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी गई है। इससे लोगों को आवाजाही से संबंधित जानकारी नहीं मिल पा रही है। वहीं विभाग के अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। सरकारी कार्य आरंभ करने से पहले कार्य स्थल में सूचना पटल लगाया जाता है, लेकिन विभाग द्वारा यहां निर्माण कार्य से संबंधित कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। जबकि कोई भी सरकारी कार्य प्रारंभ करने से पहले वहां पर कार्य का नाम आदि की जानकारी प्रदर्शित करना होता है ताकि निर्माण कार्य में पारदर्शिता बनी रहे और लोग किसी भी परेशानी की शिकायत संबंधित अधिकारी से कर सकें। मगर यहां तकनीकी विवरण का कोई भी सूचना पटल नहीं लगाया गया है। सड़क में पुल चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है।

सड़क निर्माण कार्य के बारे में स्थानीय लोगों को पता ही नहीं कौन से विभाग का है, क्या काम हो रहा है और कब तक यहां लगे मिट्टी के ढेर और कंक्रीट से छुटकारा मिलेगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम ढलने के देर रात तक आवागमन बाधित होता है और रात के अंधेरे में वाहनों की दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इस संबंध में सतीश अग्रवाल कंपनी के इंजीनियर संजय कुमार का कहना है कि लोगों की सेफ्टी के लिए निर्माण कार्य किया जा रहा है वे अभी बाहर हैं, मौका देखकर ही कुछ बता पाएंगे। सूचना पटल लगाने के लिए संबंधित किसी ठेकेदार अथवा अधिकारी को निर्देश दिया जाएगा।

शैल्बी अस्पताल मोहाली में जटिल ब्लैडर रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी सफलतापूर्वक की गई

» प्रथम न्यूज । मोहाली
05 जून (जगमीत घुम्मन)

शैल्बी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, मोहाली ने 42 वर्षीय महिला रोगी के एक अत्यंत जटिल ब्लैडर रिकंस्ट्रक्शन मामले का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है, जो दो पूर्व सर्जरी के विफल होने के बाद वर्षों से इस समस्या से जूझ रही थीं।

महिला की पहली सर्जरी मार्च 2022 में संगरूर में और दूसरी सर्जरी जुलाई 2022 में मोहाली के एक निजी अस्पताल में हुई थी। उन्हें लगातार कई जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा था, जिनमें वेसिकोवजाइनल फिस्टुला, यूरेटेरिक रीइम्प्लांटेशन संबंधी समस्याएं और यूरेटेरिक ऑब्स्ट्रक्शन शामिल थे। शैल्बी अस्पताल, मोहाली में विस्तृत मूल्यांकन के बाद, रोगी को तत्काल हस्तक्षेप के बजाय सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध उपचार के लिए चुना गया। चिकित्सा टीम ने सर्जरी से पहले मूत्राशय की क्षमता बढ़ाने, मूत्र संक्रमण पर सख्त नियंत्रण और अंतिम सर्जरी से पहले निरंतर निगरानी सहित उपचार संबंधी प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया।

मरीज की नौ घंटे लंबी जटिल जोड़ सर्जरी, डायरेक्टर - यूरोलॉजी डॉ. मनोज शर्मा, जीआईएस सर्जन ,डॉ. दिविज जयंत (जीआईएस सर्जन) और हेड - एनेस्थीसिया डॉ. मनप्रीत गिल द्वारा की गई, जिसका उद्देश्य मूत्राशय की कार्यप्रणाली को बहाल करना और पहले की असफल प्रक्रियाओं से उत्पन्न जटिलताओं को ठीक करना था।

यह प्रक्रिया मल्टीडिसीप्लिनरी और पेशेंट स्पेसिफिक एप्रोच के साथ की गई, जिसने सफल सर्जिकल परिणाम प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. मनोज शर्मा ने कहा, यह एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण पुनर्निर्माण का मामला था क्योंकि मरीज की पहले ही दो सर्जरी हो चुकी थीं और वह अभी भी गंभीर मूत्र संबंधी जटिलताओं से जूझ रहा थी। हमने सर्जरी से पहले चरणबद्ध और सावधानीपूर्वक अनुकूलित दृष्टिकोण अपनाया, और यह योजना ही अंतिम परिणाम की सफलता का मुख्य कारण थी।

संक्षिप्त न्यूज

इंडोरामा कॉरपोरेशन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 10 लाख रुपये

शिमला (एएम नाथ)- इंडोरामा कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एस. पी. लोहिया ने शुक्रवार को शिमला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से भेंट कर मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 10 लाख रुपये का चेक भेंट किया। यह राशि जरूरतमंद और संकटग्रस्त लोगों की सहायता के लिए प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एस. पी. लोहिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में उद्योग जगत की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध करवाई जाती है और इस प्रकार के योगदान से राहत एवं पुनर्वास कार्यों को और मजबूती मिलती है।

मुख्यमंत्री ने जरूरतमंदों की सहायता के इस पुनीत कार्य में सहयोग देने के लिए इंडोरामा कॉरपोरेशन और एस. पी. लोहिया का हृदय से धन्यवाद किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अन्य संस्थाएं और उद्योग समूह भी सामाजिक दायित्व निभाते हुए जनहित के कार्यों में आगे आएंगे।

इस अवसर पर विनोद सुल्तानपुरी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनकल्याण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा ऐसे सहयोग से राहत कार्यों को नई ऊर्जा मिलेगी।

पंचायत समिति सदस्यों को आज पट्टा मेहलोग में दिलाई जाएगी शपथ

पट्टा मेहलोग, 5 जून (तारा) - विकास खंड पट्टा की 26 पंचायतों से चुने गए 15 पंचायत समिति सदस्यों को आईटीआई भवन पट्टा मेहलोग में आज पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। बीडीओ पट्टा कुलदीप सिंह ने बताया कि यह शपथ एसडीएम बद्दी डॉ संजीव धीमान द्वारा दिलाई जाएगी। बता दें कि पट्टा विकास खंड की 26 पंचायतों से कुल 15 पंचायत समिति सदस्य बने हैं जिनमें से 13 निर्वाचित हुए हैं जबकि बढलग व मंधाला वार्ड से दो सदस्य निर्विरोध चुने गए हैं।

एसआईएस इंडिया लिमिटेड ने सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के अधिसूचित किए 80 पद

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)- जिला रोजगार अधिकारी राजेश मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि एसआईएस इंडिया लिमिटेड ने सिक्योरिटी गार्ड और सिक्योरिटी सुपरवाईजर के 80 पद अधिसूचित किए है। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर में 11 जून तथा 12 जून को उप रोजगार कार्यालय घुमारवीं में प्रात: 10:30 बजे से कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए केवल योग्य पुरुष उम्मीदवार ही आवेदन कर सकते है। इच्छुक उम्मीदवार की आयु 19 से 40 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास, ऊंचाई 168 सेंमी. तथा 56 से 95 किलोग्राम भार होना चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 18,000 रुपये से 24,000 रुपये तक मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चयनित अभ्यार्थियों को पीएफ, ईएसआई तथा बीमा की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यार्थियों को हिमाचल प्रदेश तथा हिमाचल से बाहरी राज्य में नियुक्त किया जाएगा। उम्मीदवार का नाम रोजगार कार्यालय में होना अनिवार्य है तथा जिनका नाम रोजगार कार्यालय में पंजीकृत नहीं है वह आनलाइन वेबसाइट eemis.hp.gov.in पर अपना नाम दर्ज करवा सकते है। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित स्थान, तिथि व समय पर उपस्थित होकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय के दूरभाष नम्बर 01978-222450 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

पर्यावरण दिवस पर विवेकानंद शिक्षा कुंज के छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

पर्यावरण संरक्षण के विषय में दिलाई शपथ

नालागढ़ 5 जून(गुरजीत सिंह) - विवेकानंद शिक्षा कुंज नालागढ़ के छात्रों ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया जो हिमुडा कॉलोनी से शुरू होकर रड़ियाली पंचायत घर पर जाकर संपन्न हुईं। यहां छात्रों ने नुक्कड़ नाटक एवं अन्य कार्यक्रमों से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। इस अवसर मुख्य अतिथि के रूप में रड़ियाली वार्ड से नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्य इंदु ठाकुर उपस्थित रही जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड नं एक की नवनिर्वाचित पार्षद शहनाज बेगम रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रबंधक सुमति सिंघल ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इंदु ठाकुर ने कहा कि हम शब्दों से नहीं बल्कि कार्य के द्वारा पर्यावरण दिवस को सफल बनाएं और अपने देश को स्वस्थ बनाएं। विद्यालय की प्रबंधक सुमति सिंघल ने कहा कि विद्यालय द्वारा रड़ियाली में तीन कूड़ेदान भी दिए गए ताकि सूखा, गीला तथा अन्य कूड़े को अलग अलग डाला जा सके। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि पर्यावरण को बचाना सभी का दायित्व है। नवनिर्वाचित पार्षद शहनाज बेगम ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर स्कूल परिसर में पांच पौधे भी रोपे गए। कार्यक्रम में प्रिंसिपल शिवानी सिंघल , विद्यालय के निदेशक मयंक सिंघल, रोहित आलम, चंद्रमणि धीमान, यशोदा ,सुरुचि, शैलजा,ममता , कंचन , शबनम सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री का संदेश

पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान, हिमाचल की पारिस्थितिकी सेवाओं पर मुख्यमंत्री ने केंद्र से प्रतिफल की मांग उठाई

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (एएम नाथ)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रिज मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल, शुद्ध वायु, वन और नदियाँ जीवन का आधार हैं तथा इनका संरक्षण हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश की पर्यावरणीय भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य देश को प्रतिवर्ष लगभग 90 हजार करोड़ रुपये की पारिस्थितिकी सेवाएँ प्रदान करता है, लेकिन इसके बदले में हिमाचल को केंद्र सरकार से कोई प्रतिफल प्राप्त नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है, ताकि पहाड़ी राज्यों के पर्यावरणीय योगदान को उचित मान्यता मिल सके।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की नशा विरोधी नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि चिट्टा एवं अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ सशक्त अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि चिट्टा माफिया को पूरी तरह समाप्त करने के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025-26 के लिए पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों एवं व्यक्तियों को 'पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान किए।

उन्होंने पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित मिनी मैराथन के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और नशामुक्ति के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे पर्यावरण बचाने और नशे के खिलाफ अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएँ, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

ग्रीन पंचायतों की आय का 25त्न अनाथों और विधवाओं के कल्याण पर होगा खर्च : सुक्खू

सौर ऊर्जा परियोजनाओं से मिलेगा सामाजिक सुरक्षा को नया आधार

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (एएम नाथ)

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ग्रीन पंचायत पहल अब पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ अनाथ बच्चों और विधवाओं के कल्याण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरकार ने योजना के राजस्व वितरण मॉडल में संशोधन करते हुए सौर ऊर्जा परियोजनाओं से होने वाली आय का 25 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को देने का निर्णय लिया है। इस राशि का उपयोग संबंधित ग्राम पंचायतों के अनाथ बच्चों और विधवाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में किया जाएगा।

ग्रीन पंचायत कार्यक्रम के तहत प्रदेश की 100 ग्राम पंचायतों में 500 किलोवाट क्षमता की ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना, पंचायतों की आय बढ़ाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास सुनिश्चित करना है।

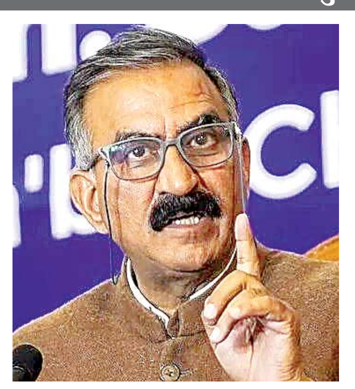

संशोधित राजस्व साझेदारी व्यवस्था के अनुसार परियोजनाओं से प्राप्त आय का 20 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार को मिलेगा, जबकि 20 प्रतिशत राशि हिमूरजा के माध्यम से परियोजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर खर्च की जाएगी। इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत हिस्सा हिमूरजा को दिया जाएगा। वहीं 25 प्रतिशत राशि संबंधित ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। शेष 25 प्रतिशत राशि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को हस्तांतरित की जाएगी, जिससे अनाथ बच्चों और विधवाओं के कल्याण कार्यक्रमों को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान सरकार समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनाथ बच्चों और विधवाओं को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत प्रत्येक अनाथ बच्चे को प्रतिमाह 4,000 रुपये का स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जिससे लगभग 6,000 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा पात्र लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए भूमि और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। विधवाओं को मकान निर्माण के लिए तीन लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है तथा उनके बच्चों की उच्च शिक्षा में भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि ग्रीन पंचायत पहल से प्राप्त अतिरिक्त संसाधन अनाथों और विधवाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगे तथा उन्हें आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने के नए अवसर उपलब्ध कराएंगे।

ठियोग में सेब के बागीचे में उगाई जा रही थी अफीम, 1,155 पौधे बरामद

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध अफीम खेती का भंडाफोड़

» प्रथम न्यूज । ठियोग (शिमला)
05 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ठियोग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ठियोग तहसील के झल्ली गांव स्थित एक सेब के बागीचे से अफीम डोडा (ओपियम पॉपी) के 1,155 पौधे बरामद किए हैं और इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 2 जून 2026 को झल्ली गांव में अवैध रूप से अफीम की खेती किए जाने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने गांव में स्थित एक बागीचे में दबिश दी। तलाशी के दौरान सेब के पेड़ों के बीच बड़ी सावधानी से छिपाकर उगाए गए अफीम के पौधे पाए गए। छापेमारी के समय एक व्यक्ति मौके पर मौजूद था और पौधों की देखभाल करता मिला। पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर वह अफीम की खेती से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए सभी पौधों को उखाड़कर कब्जे में लिया। गिनती के दौरान कुल 1,155 अफीम के पौधे बरामद हुए।

मामले में पुलिस ने 3 जून को आरोपी सुनील कुमार (37), पुत्र प्रकाश चंद, निवासी गांव झल्ली, डाकघर जैस, तहसील ठियोग, जिला शिमला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ एफआईआर संख्या 71/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 18 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी को अदालत में पेश किया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि अवैध खेती के पीछे किसी संगठित नेटवर्क या अन्य लोगों की संलिप्तता तो नहीं है। मामले की जांच जारी है।

राज्य सरकार और यूएनडीपी के मध्य परिपत्र अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

मुख्यमंत्री ने अपशिष्ट प्रबंधन कर्मियों के सशक्तिकरण के लिए 'सफाई मित्र योजना' का शुभारंभ किया

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश सरकार और संयुक्तराष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने आज राज्य में जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल, समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की उपस्थिति में राज्य सरकार की ओर से पर्यावरण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव सुशील सिंगला तथा यूएनडीपी की ओर से रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव डॉ. एंजेला लुसिगी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस साझेदारी के अंतर्गत परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकॉनोमी), अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा प्रबंधन कर्मियों का सामाजिक समावेशन, कचरा संग्रहण के लिए इलैक्ट्रिक मोबिलिटी तथा अन्य जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल विकास प्राथमिकताओं जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग किया जाएगा। समझौते में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण को भी शामिल किया गया है, जिसमें परिदृश्य पुनर्स्थापन, पारिस्थितिकी-आधारित अनुकूलन, प्रकृति-आधारित समाधान, स्थानीय समुदायों के लिए जैव विविधता से जुड़े सतत आजीविका अवसर, महत्त्वपूर्ण आवास क्षेत्रों और जैव विविधता कॉरिडोर का संरक्षण तथा जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में पारिस्थितिकीय लचीलापन बढ़ाने के लिए नियामक और प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, यह साझेदारी महिलाओं, वंचित समुदायों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की योजना निर्माण एवं कार्यान्वयन प्रक्रियाओं में भागीदारी सुनिश्चित कर लैंगिक रूप से संवेदनशील और सामाजिक रूप से समावेशी विकास को बढ़ावा देगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता राज्य को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को स्थानीय समाधानों के साथ जोड़ने में सक्षम बनाएगा, जिससे हिमालयी क्षेत्र की नाजुक पारिस्थितिकी की रक्षा करते हुए लोगों के लिए हरित एवं सतत आजीविका के अवसर सृजित किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह सहयोग राज्य को सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता हिमाचल प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य तथा हिमालयी क्षेत्र में सतत विकास के एक आदर्श के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की परिकल्पना के अनुरूप है।

उन्होंने कहा कि यह साझेदारी ज्ञान आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण, पायलट परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा दीर्घकालिक पर्यावरणीय और विकासात्मक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए जलवायु वित्त जुटाने पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यभर के असंगठित अपशिष्ट प्रबंधन कर्मियों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से 'सफाई मित्र योजना' का भी शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन कर्मी समाज को अपनी अमूल्य सेवाएं देकर स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों की गरिमा, सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण राज्य सरकार की परिपत्र अर्थव्यवस्था की परिकल्पना के केंद्र में हैं। यह योजना उन लोगों को अधिक पहचान, सहयोग और अवसर प्रदान करेगी, जो स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बुरांवाला हरिपुर मार्ग की हालत खस्ता, कहीं खड्डे, कहीं गंदगी तो कही पानी

» प्रथम न्यूज । बद्दी
05 जून (गुरजीत सिंह)

बद्दी बरोटीवाला मार्ग पर बुरांवाला से कोटला होते हुए धार्मिक स्थल हरिपुर के लिए जाने वाले मार्ग की कहानी इस कदर है कि कहीं सड़क का नामोनिशान नही। कहीं सड़क में बिना बरसात के पानी तथा यही नही सड़क किनारे लगे गंदगी के ढेरों आदि ने श्रद्धालुओं के साथ साथ आम लोग भी बुरी तरह परेशान है। यह ऐसा मार्ग है कि हरिपुर धार्मिक स्थल के लिए रोजाना सैंकड़ो वाहनों का आना जाना लगा रहता है।और सेकड़ो ही कामगार रोजाना इस मार्ग से उद्योगों में आते जाते है। सबसे बड़ी बात है कि यहां पर उतर भारत का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हरिपुर है जहां पर लोग अपनी मन्नते पूरी होने पर कोई दंडवत करते हुए आते है कोई पैदल चलकर आते है वाहनो में आना जाना तो उतर भारत के हर राज्य से श्रद्धालु आते जाते है। सड़क की दास्तान बुरांवाला से खड्डों के साथ साथ बल्याणा तक सड़क किनारे कूड़े के ढेर और उसमें मुहं मारते जानवर। बल्याणा से कोटला तक तो इतनी हालात खराब है कई स्थानों पर खड्डों में पानी इस कदर खड़ा है कि मानो तालाब हो। कोटला से हरिपुर तक सड़क कई स्थानों पर अपना नामो निशान मिटा चुकी है।बारिश पड़ी तो कीचड़ और सूखे में धूल का आलम रहता है।लोगो और श्रद्धालुओं का आरोप है कि इस मार्ग की सुध लेने वाला कोई नही है। हर रोज इस

मार्ग पर भीड़ रहती है बीरवार,शनिवार रविवार,संक्रांति और अन्य कई त्यौहारों को यहां पर वाहनो के जाम का तांता लगा रहता है। यही नही सड़क की खस्ताहालात के चलते कई वाहन तो वाया सूरजपुर होकर आते जाते है। संबधित विभाग न जाने इसकी क्यो सुध नही लेता। बी.डी.सी. मेम्बर तरसेम चौधरी,मखन्न, कृष्ण कौशल,ईश्वरी प्रसाद,हैप्पी शर्मा,पम्मी धीमान,गुरदास धीमान,पूर्व प्रधान प्रेम चंद शर्मा,ओमप्रकाश आदि ने सरकार और विभाग से मांग की है इस सड़क की तरफ शीघ्र ध्यान देकर हालात में सुधार किया जाए।

क्या कहते है लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन

इन बारे में जब लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन सरदार परबेश्वर सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कुछ हिस्से की मुरम्मत कर दी गई है जबकि बाकी की मुरम्मत का टेंडर लग गया है। और यह मार्ग बुरांवाला से कोटला तक बी.बी.एन.डी.ए.के पास है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

हरियाणा में हरको बैंक के नवनियुक्त चेयरमैन भारत भूषण जुयाल 8 जून को संभालेंगे पदभार

चंडीगढ़, 5 जून (पुनीत महाजन) – हरियाणा सरकार के अधीन हरियाणा स्टेट कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक (हरको बैंक) के नवनियुक्त चेयरमैन भारत भूषण जुयाल आगामी 8 जून को दोपहर 1 बजे औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। यह नियुक्ति हरियाणा के मुख्यमंत्री माननीय नायक सिंह सैनी तथा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के विश्वास और मार्गदर्शन का परिणाम है।

इस अवसर पर भारत भूषण जुयाल ने प्रदेश के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक, राजनीतिक एवं सहकारी क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों से समारोह में उपस्थित होकर अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान करने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें सौंपी गई यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश के सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को और अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

पदभार ग्रहण समारोह 8 जून को दोपहर 1 बजे हरको बैंक के मुख्यालय, बैंक स्क्वेयर, सेक्टर-17, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। भारत भूषण जुयाल ने सभी शुभचिंतकों, सहयोगियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से समारोह में उपस्थित होकर उन्हें प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सभी की उपस्थिति उन्हें और अधिक मेहनत, प्रमाणिकता तथा जनसेवा के भाव से कार्य करने की प्रेरणा देगी।

नौकरी से निकाले जाने का बदला लेने के लिए लगाई दुकान में आग, पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 5 जून (पुनीत महाजन) – चंडीगढ़ पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मनीमाजरा स्थित मोटर मार्केट में हुई आगजनी की वारदात का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने दुकान में आग लगाने के आरोप में दुकान के पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार किया है, जिसने नौकरी से निकाले जाने का बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार थाना मनीमाजरा में एफआईआर नंबर 62 दिनांक 4 जून 2026, धारा 326(जी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता मनुदीन, निवासी मौली कॉम्प्लेक्स, मौली जागरां और बेस्ट कार सीट कवर दुकान के मालिक ने बताया कि 29 मई 2026 को उनकी दुकान में आग लग गई थी। शुरुआत में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना गया, लेकिन आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में घटना से पहले एक संदिग्ध व्यक्ति दुकान के पास दिखाई दिया।

जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने संदिग्ध की पहचान अपने पूर्व कर्मचारी तौहीद पुत्र तसब्बर हुसैन के रूप में की, जो करीब दो से तीन वर्षों तक दुकान में काम कर चुका था और एक माह पहले उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने पेट्रोल और माचिस की मदद से दुकान में आग लगाई थी। इस आगजनी से करीब 1.5 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। आरोपी ने बताया कि उसने नौकरी से निकाले जाने के कारण बदले की भावना से यह कदम उठाया।

गिरफ्तार आरोपी तौहीद, मूल रूप से जिला श्रावस्ती (उत्तर प्रदेश) का निवासी है और मनीमाजरा में किराये पर रह रहा था। पुलिस ने उसे 4 जून 2026 को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। मामले की आगे की जांच जारी है।

सीआईए-1 पुलिस द्वारा 100.05 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित 3 आरोपी काबू , गाड़ी जब्त

कैथल, 05 जून (कृष्ण गर्ग) – जिला पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए-1 पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना गुहला क्षेत्र से 3 आरोपी को 100.05 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए-1 पुलिस प्रभारी एसआई जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई रघुबीर सिंह की टीम अपराध की रोकथाम हेतु गश्त पर थी। इसी दौरान गांव सलेमपुर के पास एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नं 6 चीका निवासी अजय, सीन्टू व सतीश उर्फ बम्बु हेरोइन (चिट्टा) का नशा करने व बेचने का कार्य करते है जो अभी स्विफ्ट गाड़ी पर सवार होकर नशीला पदार्थ हेरोइन लेने के लिए पंजाब गए हुए हैं। जो गांव समाना से खुशहाल माजरा के रास्ते होते हुए चीका जाएगें। जिनको डेरा भागसिंह से खुशहाल माजरा वाले रास्ते पर नाकाबंदी करके काबू किया जा सकता हैं। सूचना को पुख्ता मानते हुए टीम ने तुरंत रेडिंग पार्टी गठित कर बताए गए स्थान डेरा भाग सिंह से खुशहाल माजरा वाले रास्ते पर नाकाबंदी शुरू की गई। कुछ समय बाद स्विफ्ट गाड़ी में सवार आए 3 संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे टीम ने तत्परता से काबू कर लिया। पूछताछ में उनकी पहचान चीका निवासी अजय, सीन्टू व सतीश उर्फ बम्बु के रूप में हुई। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी गुहला रमेश गुलिया के समक्ष ली गई तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे में एक पॉलीथिन से 100.05 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर गाड़ी जब्त कर ली गई। आरोपियों के खिलाफ थाना गुहला में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई जसबीर सिंह द्वारा तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

नारी के विकास से ही विकसित भारत-2047 का सपना होगा पूर्ण: नायब सिंह सैनी

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
05 जून (बृज मोहन)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं का सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब नारी सशक्त होगी, तभी समाज और राष्ट्र नई ऊंचाइयों को छू सकेगा। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सशक्त नारी, सशक्त समाज, सशक्त राष्ट्र विषयक सेमिनार एवं प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि कर्म और धर्म का संदेश देने वाली भूमि है। उन्होंने महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि नारी सम्मान और अधिकारों की रक्षा समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। आज भी अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य में हर 20 किलोमीटर के दायरे में कॉलेज स्थापित किए गए हैं, जिससे छात्राओं को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल रहा है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की आय और आत्मनिर्भरता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महिलाओं को राजनीति, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और प्रशासन सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई, गार्गी, मैत्रेयी और जीजाबाई जैसी महान महिलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति सदैव प्रेरणा का स्रोत रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को और मजबूत करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि एआई प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिला प्रशिक्षुओं को फीस में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। साथ ही सिविल सेवा, न्यायिक सेवा और बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी करने वाली छात्राओं को भी विशेष कोचिंग सुविधा तथा फीस में 50 प्रतिशत रियायत प्रदान की जाएगी। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 300 शोधार्थियों एवं अंतरराष्ट्रीय छात्राओं की क्षमता वाले आधुनिक महिला छात्रावास के निर्माण की भी घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 8 सिलाई एवं कढ़ाई मशीनें वितरित कीं तथा राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों को सम्मानित किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि समानता, न्यायसंगत अवसर और समावेशिता के बिना महिला सशक्तिकरण का लक्ष्य अधूरा रहेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों, छात्राओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

मन के भीतर की यात्रा है चार धाम की यात्रा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जून (मुकेश डोलिया)

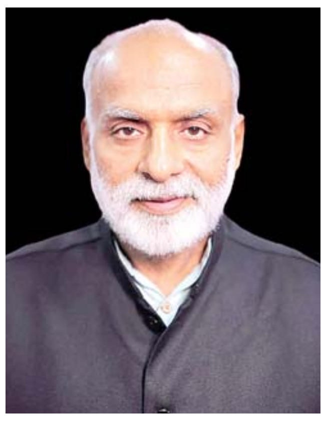

चार धाम की यात्रा शुरू हो चुकी है। इस चार धाम की यात्रा को जो जाता है,वो इस जन्म-मरण के शरीर में लौटता नहीं है, यानी अपने घर परमधाम पहुँच जाता है। कहाँ है परमधाम? जहाँ से गंगा माँ प्रकट हुई, जहाँ महादेव रहते हैं, जहाँ भगवान विष्णु रहते हैं, जहाँ भगवान श्री राम रहते हैं और जो भी नाम ले लो सब वहीं हैं। वहीं, जहाँ से पूरी सृष्टि की रचना हुई है। रचयिता के घर नहीं जाना चाहोगे? मूर्ति में ही देखना चाहोगे या ज़िंदा महादेव, ज़िंदा विष्णु भगवान, ज़िंदा श्री राम को देखना है? ये हमें निर्णय लेना होगा और अगर ये निर्णय है कि मुझे जन्म-मरण से मुक्त होना है, तो समझना होगा कि ये मुक्ति क्या है? मुक्ति है, इस मृत शरीर से मुक्ति! इसी के लिए ये चार धाम की यात्रा होती है। इस चार धाम की यात्रा में, गंगोत्री माँ से प्रकट हुई गंगा का गंगाजल लेकर और फिर यमुनोत्री से माँ यमुना का जल लेकर, हम केदारनाथ के शिवलिंग पर जल चढ़ाने चलें। फिर इसके बाद विष्णु भगवान के पास जाकर जिनसे हम अब तक कटोरे में बँगला, गाड़ी, दौलत और संसार माँगते थे, इस बार स्वयं भगवान को ही माँग लें, तो जीवन सफल हो जाएगा। भगवान ने गीता में कहा है कि जो मुझको यानी मुझ परमात्मा को चाहता है वो मुझको पाता है। कभी सोचा है कि क्या चाहिए? अगर परमात्मा ज़िंदा चाहिए तो चार धाम की यात्रा तुम्हारे लिए सफल हो जाएगी। लेकिन अगर कहीं आयु निकल गई, शरीर से चढ़ नहीं पाते और कभी मौसम खराब हो गया तब क्या करें? फिर कहा कि तब अपने अंदर डुबकी लगाओ; जहाँ हो, वहीं अंतरात्मा में गोता लगाओ। मन,जहाँ पर विचार चलते हैं और जहाँ पर कामवासना, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार जैसे विकार हैं, उनको बाहर निकालो। जब मन निर्मल होता है तब कबीर ने कहा कबीर मन निर्मल भयो जैसे गंगा नीर,आगे पीछे हरि फिरे कहत कबीर कबीर। यानी जब अंदर, गंगा के नीर जैसी पवित्रता आ जाती है तो भगवान खुद भक्त के आगे-पीछे घूमने लगते हैं। जैसे ही अंदर के विकार बाहर आएँगे, निर्मल होंगे तब गंगा प्रकट हो जाएगी, महादेव प्रकट हो जाएँगे और परमधाम मिल जाएगा। तुम्हारी श्रद्धा, तुम्हारी भक्ति प्रचंड हो, तो भगवान दौड़े-दौड़े चले आएँगे और तुम्हें गले से लगाएँगे। तुम्हारी भक्ति पूरी प्रचंड होनी चाहिए और याद रखो चार धाम की यात्रा को सिर्फ पिकनिक की तरह मत लेना। जब घर से निकलो तो अंदर से यही हो कि मुझे ज़िंदा भगवान चाहिए, मैंने मूर्ति में बहुत देख लिया प्रभु अब मुझे आप ही चाहिए। आप कहाँ रहते हो? मुझे वहाँ पहुँचना है, केदारनाथ! शिव वो हैं जो हमें इस शव से मुक्त करते हैं। अंदर भी वही शिव बैठे हैं और अगर सहजता में मैं शिव के स्थान तक जा सकता हूँ, तो मैं शिवलिंग पर जल चढ़ाने जाऊँगा। मैं माँ गंगा और माँ यमुना दोनों का जल लेकर जाऊँगा और फिर भगवान विष्णु से मिलन करूँगा। लेकिन ये बाहरी मिलन प्रतीकात्मक है। वहाँ जीवित परमात्मा नहीं मिलते, परंतु जब तुम शरीर से बाहर आओगे, तब तुम्हें जीवित भगवान, ज़िंदा श्री कृष्ण, ज़िंदा महादेव और ज़िंदा विष्णु मिलेंगे। रूप एक ही है। बाहर से रूप कितने भी बदलें, अंदर सत्य एक ही है। वहाँ माँ गंगा भी प्रकट होंगी, माँ यमुना भी प्रकट होंगी और सारे ब्रह्मांड में जितने भी लोग भगवता को उपलब्ध हुए, वो सब वहाँ प्रकट हो जाएँगे। बुद्ध, महावीर, जीसस, गुरु नानकदेव, कबीर, फरीद, मीराबाई, सहजोबाई, लल्लाबाई, संत नामदेव और संत तुकाराम-ये हमारे जैसे ही लोग थे जिन्होंने भगवता को पाया। उन्होंने संसार नहीं माँगा, उन्होंने कहा प्रभु तू ही चाहिए! श्रीमद्भगवद्गीता में भी भगवान कृष्ण ने चार प्रकार के भक्तों का वर्णन किया है-अर्थार्थी, आर्त, जिज्ञासु और ज्ञानी।

अर्थार्थी यानी जो सिर्फ माया को माँगता है, आर्त यानी जो आपातकाल में कुछ माँगता - बेटा मरने वाला है बचा ले और जिज्ञासु यानी जो कहता है प्रभु संसार का कुछ दे ना दे परंतु अब सिर्फ मुझे तू ही जीवित चाहिए। मैं तुझे मिलना चाहता हूँऔर अंत में ज्ञानी जिसने ज्ञान को उपलब्ध कर लिया, जो पा गया और जो परमधाम में पहुँच गया। शरीर त्यागने के बाद उसको ब्रह्मदूत लेने आएँगे। इसलिए प्यारों चार धाम की इस यात्रा में अपनी श्रद्धा और भक्ति को बढ़ाओ। प्रभु अपने आप तुम्हें गले से लगाएँगे और तुम्हारी ये चार धाम की यात्रा सफल होगी।

कैथल के राजौंद की नायब तहसीलदार स्नेहा निलंबित, मुख्यालय पंचकूला बदला

कैथल,(कृष्ण गर्ग)– हरियाणा सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही और अनियमितताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। राज्यपाल के आदेश पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने कैथल जिले के राजौंद में तैनात नायब तहसीलदार श्रीमती स्नेहा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सरकार के इस कड़े फैसले से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय भू-अभिलेख निदेशालय पंचकूला तय किया गया है, और उन्हें बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय न छोड़ने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्तीय आयुक्त (राजस्व) डॉ. सुमिता मिश्रा (IAS) द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, निलंबन के पहले छह महीनों के दौरान श्रीमती स्नेहा को हरियाणा सिविल सेवा नियम-2016 के नियम 83 के तहत अर्ध-वेतन अवकाश के समान निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। हालांकि, इसके लिए उन्हें यह प्रमाणपत्र देना होगा कि वे इस अवधि में किसी अन्य व्यवसाय, नौकरी या पेशे में शामिल नहीं हैं। आदेश में कैथल के उपायुक्त (DC) को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे इस निलंबन आदेश की तामील आज ही सुनिश्चित करें और हरियाणा सिविल सेवा (पुनरीक्षण एवं अपील) नियम-2016 के नियम-7 के तहत संबंधित दस्तावेजों के साथ एक ड्राफ्ट चार्जशीट तैयार कर जल्द भेजें।

रिक्त पद के एवज में मिलेगा भत्ता, कंप्यूटर प्रोग्रामर को निर्देश : इस पूरी कार्रवाई को सुचारू रूप से लागू करने के लिए सरकार ने भू-अभिलेख निदेशक, पंचकूला को निर्देश दिए हैं कि निलंबित नायब तहसीलदार के भत्तों का भुगतान विभाग के किसी भी रिक्त पद के एवज में किया जाए। इस आदेश की प्रतियां प्रधान महालेखाकार हरियाणा, संबंधित अधिकारियों और मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली पर अपडेट करने के लिए कंप्यूटर प्रोग्रामर को भी भेज दी गई हैं। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने की दिशा में एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

ईएसआईसी हरियाणा का होमी भाभा कैंसर अस्पताल से करार

कैंसर उपचार को लेकर ईएसआईसी हरियाणा की पहल, होमी भाभा अस्पताल पंजाब हुआ पैनल में शामिल

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जून (एएम नाथ)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा ने बीमाकृत व्यक्तियों को बेहतर एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के साथ करार किया है। इस समझौते के तहत हरियाणा क्षेत्र के बीमाकृत श्रमिकों और उनके आश्रितों को कैंसर से संबंधित सभी प्रकार की उपचार सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

यह करार टाटा स्मारक केंद्र की इकाई होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के दो प्रमुख संस्थानों-न्यू चंडीगढ़ और संगरूर स्थित अस्पतालों-के साथ किया गया है। न्यू चंडीगढ़ स्थित अस्पताल में 300 बिस्तरों तथा संगरूर स्थित अस्पताल में 125 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध है। करार के तहत मरीजों को परामर्श, जांच, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी जैसी अत्याधुनिक उपचार सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. आशीष गुलिया ने कहा कि ईएसआईसी हरियाणा के साथ जुड़ना समाज के सभी वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण कैंसर देखभाल पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य किसी भी मरीज को आर्थिक कारणों से उपचार से वंचित न रहने देना है।

ईएसआईसी हरियाणा के राज्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक राय ने बताया कि यह करार विशेष रूप से हरियाणा के उत्तरी क्षेत्रों में रहने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। अब उन्हें कैंसर उपचार के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानों की सेवाएं सुलभ हो सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान ईएसआईसी हरियाणा के क्षेत्रीय निदेशक श्री हरि ओम प्रकाश ने अस्पताल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निगम अपने बीमाकृत व्यक्तियों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जन्मदिन समारोह में जानलेवा हमला करने वाले 8 आरोपी और एक नाबालिग गिरफ्तार, चंडीगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जून (पुनीत महाजन)

असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक सनसनीखेज मामले में कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से डंडे और चाकू भी बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई यूटी चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुमेर प्रताप सिंह के निर्देशों, पुलिस अधीक्षक (सिटी) के.एम. प्रियंका के मार्गदर्शन तथा एसडीपीओ साउथ-वेस्ट धीरज कुमार के पर्यवेक्षण में थाना सेक्टर-39 के प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव कुमार के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार एफआईआर नंबर 96 दिनांक 4 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता रोहित निवासी सेक्टर-56, चंडीगढ़ ने पुलिस को बताया कि 3 जून 2026 की रात वह अपने साले का जन्मदिन सेक्टर-56 स्थित फोर मंजिला क्वार्टरों के पीछे पार्क में मना रहा था। रात करीब 10 बजे शिवा, कृष, ऋषि, पीके तथा उनके 10-12 अन्य साथी वहां पहुंचे और चाकू, तलवारनुमा हथियार (गंडासी) तथा डंडों से हमला कर दिया। जब रिकी नामक युवक ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उस पर भी चाकू और गंडासी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए जीएमसीएच सेक्टर-32 में भर्ती कराया गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हिमांशु उर्फ विशाल, उदय, जसबीर सिंह उर्फ संगा, हरप्रीत सिंह उर्फ शिवा, तुषार, सचिन, कृष तथा हरप्रीत सिंह उर्फ हरमन शामिल हैं।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ शिवा तथा कृष का एक दिन का पुलिस रिमांड भी प्राप्त किया है ताकि मामले में अन्य आरोपियों, हथियारों और घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ शिवा के खिलाफ पहले भी मारपीट, हत्या, हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट से संबंधित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

चंडीगढ़ पुलिस ने कहा है कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चंडीगढ़ पुलिस का वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जून (पुनीत महाजन)

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 तथा मिशन लाइफ (Lifestyle for Environment) के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए चंडीगढ़ पुलिस द्वारा सारंगपुर स्थित आईआरबी कॉम्प्लेक्स में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, सतत जीवनशैली, पारिस्थितिक संतुलन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, आईपीएस, डीजीपी/डीजीपी यूटी चंडीगढ़, सुपेंद्र कुमार, आईपीएस, डीआईजी यूटी चंडीगढ़, राजीव रंजन सिंह, आईपीएस, वीआईजी यूटी चंडीगढ़, सुमेर प्रताप सिंह, डब्ल्यू/एसएसपी सुरक्षा एवं यातायात, मजीत श्योराण, डब्ल्यू/एसपी मुख्यालय एवं अपराध, तथा अनुराज दारू, डब्ल्यू/कमांडेंट, आईआरबी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, डीएसपी, इंस्पेक्टर एवं बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

अभियान के दौरान आम, आंवला, अमरूद, रीठा सहित विभिन्न देशी प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इन पौधों का चयन उनके पर्यावरणीय, औषधीय एवं पोषण संबंधी महत्व को ध्यान में रखते हुए किया गया। अधिकारियों ने स्वयं पौधारोपण कर पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संदेश दिया, ताकि वे स्वस्थ रूप से विकसित होकर पर्यावरण को दीर्घकालिक लाभ पहुंचा सकें।

इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान चलाकर परिसर की सफाई की। इस अवसर पर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा नागरिकों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान आईआरबी कॉम्प्लेक्स के मुख्य द्वार पर छबील सेवा का भी आयोजन किया गया। आईआरबी यूनिट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से आम जनता, यात्रियों, आगंतुकों और पुलिस कर्मियों को ठंडा मीठा पानी तथा हलवा-चना प्रसाद वितरित किया गया। यह आयोजन समाज सेवा, सद्भावना और सामुदायिक एकता का प्रतीक बना।

चंडीगढ़ पुलिस की इस पहल को लोगों का भरपूर समर्थन मिला और यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा तथा मानवीय मूल्यों के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण साबित हुआ।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का संपादकीय

पर्यावरण संरक्षण ही मानवता की सच्ची सेवा

पुनीत महाजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाजसेवी, पत्रकार, लेखक तथा भारतीय एकता मंच (पंजीकृत) के जनरल सेक्रेटरी एवं संस्थापक सदस्य पुनीत महाजन ने लोगों से अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। उनका मानना है कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्वल भविष्य के लिए हमारी नैतिक प्रतिबद्धता भी है।

पुनीत महाजन का पेड़-पौधों और प्रकृति के प्रति प्रेम बचपन से ही रहा है। वे बताते हैं कि जब वे आठवीं कक्षा में पढ़ते थे, तब उनके विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी को अपने नाम का एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जाता था। इसी पहल ने उनके मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण की भावना को जन्म दिया, जो आज भी उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उनका कहना है कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। ये हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वातावरण को शुद्ध रखते हैं, जलवायु संतुलन बनाए रखते हैं तथा अनेक प्रकार की औषधियां, फल, सब्जियां और जड़ी-बूटियां उपलब्ध कराते हैं। यदि धरती पर पेड़-पौधे न हों तो मानव जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है।

पुनीत महाजन का मानना है कि वर्तमान समय में बच्चों और युवाओं को पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। हमारी संस्कृति और परंपराएं भी प्रकृति के संरक्षण का संदेश देती हैं। इसलिए परिवारों और शिक्षण संस्थानों को मिलकर बच्चों में पेड़ लगाने और उनकी सुरक्षा करने की आदत विकसित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। हालांकि ऐसे पेड़ जो लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके हों या किसी बड़े नुकसान का कारण बन सकते हों, उन्हें विशेषज्ञों की सलाह के बाद हटाया जा सकता है। लेकिन स्वस्थ और उपयोगी पेड़ों की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पुनीत महाजन वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। वे जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं और मानते हैं कि मानवता की सबसे बड़ी पहचान एक-दूसरे के काम आना है। उनका कहना है कि इंसान ही इंसान के काम आता है, इसलिए हमें समाज और प्रकृति दोनों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर उन्होंने सभी नागरिकों से संकल्प लेने की अपील की कि वे न केवल पेड़-पौधे लगाएंगे, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करेंगे।

उनका संदेश है कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ लगाकर उसे बड़ा करने का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सकता है।

पेड़ लगाना प्रकृति को उपहार देने के समान है। आइए, पर्यावरण संरक्षण को अपनी आदत बनाएं और हरियाली से भरपूर भविष्य का निर्माण करें।

लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी
पुनीत महाजन का पर्यावरण दिवस पर विशेष संदेश

एक अधूरी सी मुलाक़ात

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

रात के बारह बज रहे थे। दिल्ली की सड़कें सुनसान थीं, दुकानों के शटर गिर चुके थे, सिर्फ चौक पर एक ढाबे की पीली बत्ती टिमटिमा रही थी। नरेन अखबार की रात वाली रिपोर्ट भेजकर थक-हारकर कुर्सी पर ढह गया था। आँखें लाल थीं, दिमाग में नेताओं के बयान और कटने वाली डेडलाइन घूम रही थीं। तभी मोबाइल बजा। स्क्रीन पर नाम चमका-करुणा।

हाथ ठिठक गया। सात साल में यह नाम उसने सिर्फ सपनों में सुना था। उँगली काँपते हुए उसने कॉल उठाया। उधर से आवाज आई, नरेन... मैं करुणा बोल रही हूँ। आवाज भारी थी, जैसे कोई रोकर अभी चुप हुई हो। नरेन कुछ बोला नहीं। बस सुना।

करुणा ने बताया कि उसका पति शराबी है। हर रात नशे में धुत होकर घर आता है, गाली देता है, मारता है। बेटी रिया सोई रहती है, लेकिन डर के मारे काँपती रहती है। मायके वाले कहते हैं निभा लो, तलाक समाज में अच्छा नहीं लगता। ससुराल वाले कहते हैं मर्द हैं, आदत छूट जाएगी। लेकिन आदत नहीं छूटी। आज दोपहर फिर मारा। बेटी के सामने। रिया बीच में आई तो उसकी कलाई पर नाखून के निशान पड़ गए। करुणा ने कहा, मैं तलाक लेना चाहती हूँ नरेन, लेकिन डर लग रहा है। अकेली हूँ। तुम्हारे सिवा किसी को बता नहीं सकती। नरेन की आँखें भर आईं। सात साल पहले कॉलेज में जो लड़की उसके साथ लाइब्रेरी में बैठकर निर्मला और गोदान पर बहस करती थी, आज टूटकर फोन कर रही थी। वह बोलना चाहता था कि तुम्हें उस दिन मेरी बात मान लेनी चाहिए थी, लेकिन बोला नहीं। क्योंकि अब वक्त उलाहना देने का नहीं था। वक्त था सिर्फ साथ खड़े होने का। उसने धीरे से कहा, डरो मत। जो करना है करो। मैं साथ हूँ। फोन कट गया और नरेन रात भर सो नहीं पाया।

नरेन और करुणा की मुलाकात दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में हुई थी। नरेन पत्रकारिता पढ़ रहा था, करुणा साहित्य। दोनों का शौक था कविता, बहस और देर रात तक कैंटीन में चाय पीना। करुणा की हँसी में एक अजीब सुकून था। नरेन कहता था कि तुम्हारे बोलने से किताबें भी समझ में आने लगती हैं। प्यार धीरे-धीरे हुआ। न इजहार हुआ, न प्रपोज। बस एक दिन नरेन ने देखा कि वह करुणा के बिना अधूरा है। फाइनल ईयर में उसने घर पर बात की। पिता किसान थे, माँ गृहिणी। दोनों ने साफ कह दिया कि जाति अलग है, परिवार नहीं मानेगा, समाज में नाक कट जाएगी, गाँव में मुँह दिखाना मुश्किल हो जाएगा। नरेन ने पहली और आखिरी बार विरोध किया। रात भर पिता से बहस की। लेकिन सुबह पिता की आँखों में आँसू देखकर चुप हो गया।

करुणा के घरवाले भी मान गए। लड़का सरकारी नौकरी वाला था, दहेज भी नहीं माँगा था। दो महीने में शादी तय हो गई। विदाई के दिन करुणा ने कहा था, अगर कभी टूट जाऊँ, तो याद रखना नरेन। नरेन ने हाँ में सिर हिला दिया था। लेकिन मन में सोचा था कि ऐसा दिन कभी नहीं आएगा। आया। सात साल बाद।

तलाक आसान नहीं था। वकील महँगे थे, अदालत की तारीखें लंबी थीं, समाज की नजरें चुभती थीं। करुणा को हर कदम पर समझाया गया कि बच्ची है, सोचो, अकेली कैसे रहोगी, कौन रखेगा। लेकिन करुणा ने तय कर लिया था कि मार खाकर जीने से बेहतर है अकेले मर जाना। नरेन ने अपना वादा निभाया। उसने अपनी जेब से वकील की फीस दी, हर तारीख पर साथ गया, रिया के स्कूल में दाखिला करवाया। रात को करुणा जब टूट जाती तो नरेन बस इतना कहता, रो लो। रोने से हल्का हो जाता है। उसने कभी करुणा से कहा नहीं कि मैं तुमसे प्यार करता हूँ। क्योंकि वह जानता था कि अभी वक्त साथ देने का है, उम्मीद बाँधने का नहीं।

छह महीने बाद फैसला आ गया। करुणा आजाद थी। लेकिन आजादी के साथ अकेलापन भी आया। मायके में जगह थी, लेकिन इज्जत नहीं। चाची कहतीं तलाकशुदा है, अब कौन ब्याहेगा। पड़ोसिनें मुँह पर हँसतीं, पीठ पीछे बातें बनतीं। करुणा ने हार नहीं मानी। उसने नौकरी की तैयारी शुरू की। रात को रिया को सुलाकर बीएड की किताबें खोल लेती। आँखों में आँसू होते, लेकिन हाथ नहीं रुकते।

उधर नरेन ने भी शादी न करने का फैसला कर लिया था। उसका मानना था कि जो रिश्ता एक बार टूट गया, उसे जोड़ना गुनाह है। वह रात-रात भर रिपोर्टिंग करता, सुबह अखबार भेजता, और लौटकर अकेले कमरे में बैठ जाता। दीवार पर लगी करुणा की पुरानी फोटो पर नज़र पड़ती तो दिल धड़क जाता। दोस्त कहते शादी कर लो नरेन, उम्र निकल रही है। वह हँसकर टाल देता, जो होना था हो गया। अब अकेलापन ही सही। लेकिन अंदर कहीं एक खालीपन था। वह खालीपन न शराब से भरा, न काम से। वह खालीपन सिर्फ करुणा का नाम सुनकर भरता था। तलाक के छह महीने बाद बातें फिर शुरू हुईं। पहले हालचाल, फिर पुराने किस्से, फिर भविष्य की बातें। नरेन ने महसूस किया कि सात साल में न उसका प्यार मरा था, न करुणा का भरोसा। बस वक्त ने दोनों को अलग रख दिया था। एक दिन करुणा ने कहा, नरेन, अगर तुम कहो तो मैं फिर से शुरू करना चाहती हूँ। लेकिन इस बार किसी के लिए नहीं, अपने लिए। रिया के लिए। नरेन चुप रहा। उस रात उसने पहली बार सोचा कि शायद अधूरी मुलाकात पूरी हो सकती है।

घरवालों ने फिर विरोध किया। लोग क्या कहेंगे, तलाकशुदा लड़की और ऊपर से तुम्हारी पुरानी दोस्त। गाँव में पंचायत बैठ गई। चाचा-ताऊ ने कहा नरेन, बदनामी होगी। लड़की मिल जाएगी दूसरी। नरेन ने पहली बार इतने सालों बाद ऊँची आवाज में कहा, बदनामी से डरता तो मैं उस दिन भी चुप नहीं रहता। मेरी जिंदगी है, मेरा फैसला है। करुणा ने गलत नहीं किया। उसने खुद को बचाया है। इस बार वह झुका नहीं। करुणा के मायके वाले भी मान गए। रिया की खुशी देखकर उनका गुस्सा ठंडा पड़ गया। बच्ची अब रात को डरती नहीं थी। शादी सादगी से हुई। न बैंड-बाजे, न बड़ी बारात। सिर्फ दो लोग, एक छोटी सी बेटी, और कुछ गवाह। पंडित ने मंत्र पढ़े, और नरेन ने पहली बार करुणा का हाथ थामा। उस हाथ में वही गर्माहट थी जो सात साल पहले छूट गई थी। करुणा की आँखों में आँसू थे, लेकिन इस बार डर के नहीं, भरोसे के। शादी के बाद जिंदगी बदली। करुणा ने बीएड पूरा किया, अब सरकारी स्कूल में नौकरी की तैयारी कर रही है। रिया शाम को दोनों को पढ़ाती है। पापा, ये मैथ्स गलत है। मम्मा, ये कहानी अधूरी है। नरेन रात में रिपोर्ट लिखता है, लेकिन अब लौटकर घर में रोशनी मिलती है। खाना गरम मिलता है, बात करने वाला कोई होता है। घर में अब हँसी गूँजती है।

पड़ोसी अब भी पीछे से बातें करते हैं। तलाकशुदा को ले आया। लेकिन नरेन अब जवाब नहीं देता। वह जानता है कि जवाब देना जरूरी नहीं। जिंदगी खुद जवाब बन जाती है। एक शाम रिया ने पूछा, पापा, आप और मम्मा पहले मिले क्यों नहीं थे। नरेन ने बेटी को गोद में उठाया और कहा, क्योंकि बेटा, कुछ कहानियाँ अधूरी रह जाती हैं, ताकि पूरी होने का मजा दोगुना हो जाए। कभी-कभी टूटना भी जरूरी होता है। तभी पता चलता है कि कौन सच में साथ खड़ा है। करुणा ने यह सुनकर नरेन की तरफ देखा। उसकी आँखों में सुकून था। सात साल का दर्द, डर, अकेलापन सब जैसे पिघल गया हो। कुछ मुलाकातें अधूरी रह जाती हैं, कुछ रिश्ते टूट जाते हैं। लेकिन जब तक साँस है, किस्मत दरवाजा खटखटाती रहती है। नरेन और करुणा की कहानी बस इतनी है। जो एक बार अधूरी रह गई थी, वह अब पूरी हो गई। अब दोनों को यकीन है कि जो सारी तमन्ना बाकी रह गई थी, वह धीरे-धीरे पूरी हो रही है। अब वे खुश हैं। नई जिंदगी जी रहे हैं।

यह कहानी प्रेम, संघर्ष, विश्वास और दूसरे अवसर की भावनात्मक दास्तान है। नरेन और करुणा कॉलेज के दिनों में एक-दूसरे से प्रेम करते थे, लेकिन सामाजिक बंधनों और परिवार के दबाव के कारण उनका साथ अधूरा रह गया। वर्षों बाद करुणा एक असफल और हिंसक वैवाहिक जीवन से टूटकर नरेन से मदद मांगती है। नरेन बिना किसी स्वार्थ के उसका साथ देता है, उसे तलाक की कठिन प्रक्रिया से बाहर निकलने में सहारा बनता है और उसकी बेटी रिया का भी ख्याल रखता है। समय के साथ दोनों के बीच पुराना भरोसा और अपनापन फिर से जाग उठता है। समाज और परिवार के विरोध के बावजूद नरेन इस बार अपने प्रेम और निर्णय पर अडिग रहता है। अंततः दोनों विवाह कर नई जिंदगी की शुरुआत करते हैं। यह कहानी बताती है कि सच्चा प्रेम कभी समाप्त नहीं होता और जीवन कभी-कभी अधूरी कहानियों को खूबसूरती से पूरा करने का अवसर देता है।

पर्यावरण संरक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीकों की भूमिका

वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया है। जलवायु परिवर्तन, वायु एवं जल प्रदूषण, वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास तथा प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन मानव सभ्यता के लिए गंभीर संकट उत्पन्न कर रहे हैं। बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि ने पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव डाला है। ऐसे समय में केवल पारंपरिक उपायों के माध्यम से पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने इस दिशा में नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा, ड्रोन, सैटेलाइट तकनीक और मशीन लर्निंग जैसी नवीन तकनीकें पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ये तकनीकें न केवल पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान करने में सहायता करती हैं, बल्कि उनके प्रभावी समाधान भी प्रस्तुत करती हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी तकनीक है जो मशीनों को मानव जैसी सोचने, सीखने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह विशाल मात्रा में उपलब्ध पर्यावरणीय आंकड़ों का विश्लेषण करके भविष्य की परिस्थितियों का अनुमान लगाने में सक्षम है। उदाहरण के लिए, एआई आधारित मॉडल मौसम परिवर्तन, वर्षा की मात्रा, तापमान वृद्धि और प्राकृतिक आपदाओं की संभावना का पूर्वानुमान लगा सकते हैं। इससे सरकारों और प्रशासनिक संस्थाओं को समय रहते आवश्यक कदम उठाने में सहायता मिलती है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने और उनके समाधान तैयार करने में एआई एक प्रभावी उपकरण के रूप में उभर रहा है।

वायु प्रदूषण आज विश्वभर में करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेंसर और निगरानी प्रणालियाँ वायु गुणवत्ता की निरंतर निगरानी करती हैं तथा प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करने में मदद करती हैं। इन प्रणालियों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रभावी नीतियाँ बना सकता है। कई शहरों में स्मार्ट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं जो वास्तविक समय में प्रदूषण स्तर की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। इससे नागरिकों को भी अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी नई तकनीकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज अनेक स्थानों पर स्मार्ट

सेंसरों का उपयोग करके जल स्तर, जल गुणवत्ता और जल उपयोग की निगरानी की जा रही है। एआई आधारित प्रणालियाँ यह निर्धारित कर सकती हैं कि किस क्षेत्र में जल की कमी होने वाली है और कहाँ जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। कृषि क्षेत्र में स्मार्ट सिंचाई प्रणालियाँ किसानों को आवश्यकता के अनुसार पानी उपलब्ध कराती हैं, जिससे जल की बर्बादी कम होती है और उत्पादन बढ़ता है। इस प्रकार तकनीक जल संकट से निपटने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

वनों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। वनों की कटाई, अवैध खनन तथा जंगलों में लगने वाली आग पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा हैं। सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन और एआई आधारित निगरानी प्रणालियाँ वनों की स्थिति पर लगातार नजर रखती हैं। ड्रोन दुर्गम क्षेत्रों की तस्वीरें लेकर वन विभाग को वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन आंकड़ों का विश्लेषण कर संभावित खतरों की पहचान करती है। इससे वनों की अवैध कटाई को रोकने और जंगलों में आग लगने की घटनाओं पर शीघ्र नियंत्रण पाने में सहायता मिलती है।

जैव विविधता संरक्षण में भी आधुनिक तकनीकों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। पृथ्वी पर अनेक जीव-जंतु और पौधों की प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं। एआई आधारित कैमरे, सेंसर और डेटा विश्लेषण प्रणालियाँ वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखती हैं तथा उनके आवासों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करती हैं। वैज्ञानिक इन तकनीकों के माध्यम से दुर्लभ प्रजातियों की संख्या, उनके व्यवहार

विशाल कल्याण

और उनके सामने मौजूद खतरों का अध्ययन कर सकते हैं। इससे संरक्षण संबंधी योजनाएँ अधिक प्रभावी बनती हैं।

कचरा प्रबंधन आधुनिक शहरों के सामने एक बड़ी चुनौती है। बढ़ती आबादी के साथ कचरे की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है। एआई आधारित स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम कचरे के संग्रहण, पृथक्करण और पुनर्चक्रण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाते हैं। कई देशों में ऐसे रोबोट विकसित किए गए हैं जो विभिन्न प्रकार के कचरे को स्वतः अलग कर सकते हैं। इससे पुनर्चक्रण की प्रक्रिया तेज होती है और लैंडफिल पर निर्भरता कम होती है। स्मार्ट डस्टबिन सेंसरों के माध्यम से यह जानकारी देते हैं कि वे कब भर गए हैं, जिससे कचरा संग्रहण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित बनती है।

ऊर्जा संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए एआई आधारित प्रणालियाँ ऊर्जा उत्पादन और खपत का विश्लेषण करती हैं। स्मार्ट ग्रिड तकनीक बिजली वितरण को अधिक कुशल बनाती है तथा ऊर्जा की बर्बादी को कम करती है। इससे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटती है और कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। यह सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों का उपयोग पर्यावरण संरक्षण और खाद्य सुरक्षा दोनों के लिए लाभदायक सिद्ध हो रहा है। प्रिसिजन फार्मिंग, ड्रोन, सेंसर और एआई आधारित विश्लेषण किसानों को फसल की स्थिति, मिट्टी की गुणवत्ता तथा मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं। इससे उर्वरकों, कीटनाशकों और जल का उपयोग आवश्यकता के अनुसार किया जा सकता है। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रदूषण कम होता है तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है। सतत कृषि के विकास में इन तकनीकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हालाँकि, नई तकनीकों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। इन प्रणालियों की स्थापना और रखरखाव पर काफी खर्च आता है। इसके अतिरिक्त तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता भी होती है। एआई आधारित डेटा केंद्रों द्वारा ऊर्जा की खपत भी एक चिंता का विषय है।

इसलिए यह आवश्यक है कि तकनीकी विकास को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि इन तकनीकों का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुँचे।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीकें पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं। वे पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान, निगरानी और समाधान को अधिक प्रभावी, सटीक और तेज बना रही हैं। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण, जल संरक्षण, वन संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यदि सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान, उद्योग और नागरिक मिलकर इन तकनीकों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, तो एक स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य का निर्माण संभव है।

पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी नवाचार का यह समन्वय आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर पृथ्वी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

साभार
विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर

सस्ती साबित की जाती नागरिकों की जान

साल 2009 की बात है। ब्रिटेन के आक्सफोर्ड में 16 साल के एक स्कूली छात्र ने आत्महत्या की कोशिश से कुछ मिनट पहले फेसबुक पर लिखा, मैं अब बहुत दूर जा रहा हूं। अमेरिका में बैठी उसकी फेसबुक मित्र ने इस संदेश को पढ़ा तो उसने तत्काल अपनी मां को बताया। मां ने आनन-फानन में मैरीलैंड पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने व्हाइट हाउस के स्पेशल एजेंट से संपर्क साधा और उसने फौरन वाशिंगटन में ब्रिटिश दूतावास के अधिकारियों से। उन्होंने ब्रिटेन की मेट्रोपालिटन पुलिस से संपर्क किया और चंद मिनट बाद छात्र के घर का पता लगाकर पुलिस उसके घर जा पहुंची। जब तक वह घर के भीतर दाखिल हुई, छात्र नींद की बहुत अधिक गोलियां खा चुका था। वह बेहोश पड़ा था। पुलिसकर्मियों ने कुछ ही पलों में उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी जान बच गई।

उक्त किस्सा बताता है कि यूरोप-अमेरिका में इंसान का जीवन कितना अनमोल है और सिर्फ एक ज़िंदगी बचाने के लिए कैसे एजेंसियां ज़मीन-आकाश एक कर देती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से भारत में मौत सिर्फ एक आंकड़ा है। दिल्ली के मालवीय नगर में होटल में आग से 21 लोगों की मौत ने एक बार फिर यह बात साबित की। प्रारंभिक जांच में फिर वही लापरवाहियां सामने आई हैं, जो लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आती हैं। उदाहरण के लिए होटल के पास सिर्फ छह कमरे बनाने की अनुमति थी, लेकिन 25 कमरे बनाए गए। होटल के पास अनिवार्य फायर एनओसी तक नहीं थी। इमारत में प्रवेश और निकास का सिर्फ एक दरवाजा था और कोई आपातकालीन द्वार नहीं था। इस हादसे में कई विदेशी भी मारे गए हैं।

विडंबना यह कि किसी हादसे से सीख नहीं ली जाती। बीते साल दिसंबर में गोवा नाइटक्लब में अग्निकांड हुआ, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। वह हादसा हाल के वर्षों का सबसे बड़ा सिस्टम फेलियर केस माना जाता है। इस अग्निकांड की मजिस्ट्रियल जांच में सामने आया था कि क्लब अवैध निर्माण पर चल रहा था, फायर एनओसी नहीं था, पर्याप्त आपातकालीन निकासी द्वार नहीं थे, स्प्रिंकलर सिस्टम नहीं था और फायर अलार्म सिस्टम तक नहीं था। रिपोर्ट के ये निष्कर्ष इस तरह के लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आते हैं, जो साफ तौर पर नियामकीय विफलता दिखाते हैं। आग की घटनाओं के संदर्भ में तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि भारत में लोग आग से कम, आग लगने से पहले की गई अनदेखी से ज्यादा मरते हैं। भारत में कई मामलों में मौत यहां कोई असाधारण घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था का एक नियमित परिणाम है। दिल्ली के जनकपुरी में एक युवक सड़क पर खोदे गए गड्ढे में गिर जाता है। घंटों तक मदद नहीं मिलती और उसकी मौत हो जाती है। नोएडा में एक इंजीनियर की कार खुले नाले में जा गिरती है। उसकी मौत के बाद सुरक्षा प्रबंधों तथा प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल उठते हैं। दिल्ली के राजेंद्र नगर की एक इमारत के बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटर में पानी भरने से तीन छात्र डूबकर मर जाते हैं। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण हैं, लेकिन प्रशासनिक विफलता की कहानी वही रहती है।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 2015 से 2020 के बीच खुले गड्ढों और मैनहोल में गिरकर 5,393 लोगों की मौत हुई। यानी औसतन हर दिन दो भारतीय ऐसी मौत मरते हैं, जो पूरी तरह रोकी जा सकती थीं। सवाल यह है कि गड्ढे खुले क्यों थे और उनके आसपास आवश्यक सुरक्षा इंतज़ाम क्यों नहीं थे? भारत में हर बड़े हादसे के बाद एक तयशुदा पटकथा चलती है। जांच के आदेश दिए जाते हैं। मुआवजे की घोषणा होती है। कुछ अधिकारियों का तबादला होता है। फिर अगला हादसा हो जाता है। दुखद यह है कि भारत में मौतें अक्सर किसी एक व्यक्ति की गलती से नहीं होतीं। वे कई संस्थाओं की संयुक्त विफलता से होती हैं। ठेकेदार लापरवाह होता है, विभाग आंखें मूंद लेता है, निरीक्षण औपचारिकता बन जाता है और राजनीतिक व्यवस्था केवल हादसे के बाद सक्रिय होती है। परिणामस्वरूप नागरिक मरता है और तंत्र सिर्फ प्रेस कांफ्रेंस करता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान केवल चुनाव नहीं होती। उसकी पहचान यह होती है कि वह अपने नागरिकों को कितनी सुरक्षा देता है। जिस देश में लोग गड्ढों, मैनहोल, सीवरों, आग, भगदड़ और खराब सड़कों से मर रहे हों, वहां विकास के दावों की चमक थोड़ी फीकी पड़ जाती है।

एक कड़वा सच यह भी है कि भारत में नागरिकों को भी इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि कहीं कानून का उल्लंघन हो रहा है, तो उस जगह से दूरी बनाएं। इतना ही नहीं, कई जगह वे खुद भी कानून का उल्लंघन करने से नहीं हिचकते। मसलन, हमारे देश में हर साल लगभग 1.8 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर जाते हैं। इनमें से करीब 30 हजार लोग सिर्फ इसलिए मरते हैं क्योंकि उन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता। देश की विशाल आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और शायद संवेदनहीनता का कारण भी।

बड़ी आबादी ने जान की कीमत को इतना कम कर दिया है कि न नागरिकों को और न सिस्टम को समझ आता है कि जीवन अनमोल है। एक विकसित समाज की नैतिकता का बड़ा पैमाना यह भी है कि वह अपने सबसे साधारण नागरिक की जान को कितनी अहमियत देता है। दुर्भाग्य से भारत बार-बार यह संदेश दे रहा है कि यहां मौत सस्ती है और जवाबदेही उससे भी सस्ती।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पर्यावरण दिवस पर ओरोविंदो पब्लिक स्कूल में 'पौधारोपण एवं जागरूकता' कार्यक्रम आयोजित

बीबीएन, 5 जून (तारा) – ओरोबिदो पब्लिक स्कूल बद्दी में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बद्दी के एसिसटेंट एनवायरनमेंटल इंजीनियर अभय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में व अवतार सिंह साइंटिफिक ऑफीसर अवतार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में पौधारोपण करके किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर कर्नल

केजेएस रंधावा एवं प्रधानाचार्य अनिला नायर ने मुख्य अतिथि एवं छात्रों के साथ मिलकर पौधे लगाए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को पेड़ लगाने तथा उनकी देखरेख करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय में छात्रों के द्वारा भाषण ,नारे एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधित आर्टिकल पढ़े गए। सभी छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया ।कार्यक्रम का समापन छात्रों एवं अध्यापकों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेने के साथ हुआ।

पॉलिटेक्निक टेस्ट 2026 के सफल आयोजन के दृष्टिगत परीक्षा केन्द्र के आसपास बी.एन.एस.एस. धारा 163 लागू

बिलासपुर(जितेंद्र गौतम)– हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला द्वारा रविवार 07 जून को आयोजित की जा रही पॉलिटेक्निक परीक्षा 2026 के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला बिलासपुर के उपमंडल सदर के राजकीय प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में स्थापित परीक्षा केन्द्र के आसपास एसडीएम सदर डॉ. राजदीप सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) की धारा 163 के अंतर्गत निषेधात्मक आदेश जारी किए हैं। यह आदेश रविवार 07 जून को प्रात: 8 बजे से सायं 4 बजे तक निर्धारित परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जारी किए गए है। इस दौरान किसी भी प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक आयोजन, जुलूस, रैली, नारेबाजी एवं हड़ताल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही इस अवधि के दौरान लाउडस्पीकर के उपयोग, निर्माण कार्य, टेंट अथवा मंच की स्थापना या हटाने की गतिविधियों पर भी रोक रहेगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के हथियार, लाठी, गोला–बारूद अथवा अन्य घातक वस्तुएं लेकर चलना भी पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

राज्य पात्रता परीक्षा 2026 के दृष्गित परीक्षा केंद्रों के आसपास बी.एन.एस.एस. की धारा 163 लागू

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)– हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग, शिमला द्वारा रविवार 07 जून को आयोजित की जा रही राज्य पात्रता परीक्षा 2026 के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला बिलासपुर के उपमंडल सदर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के परीक्षा केन्द्र 1, परीक्षा केन्द्र 2, राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बिलासपुर, राजकीय छात्रा वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बिलासपुर, राजकीय आईटीआई बिलासपुर तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोठीपुरा में स्थापित परीक्षा केंद्रों के आसपास एसडीएम सदर डॉ. राजदीप सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) की धारा 163 के अंतर्गत निषेधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार रविवार 07 जून को प्रात: 8 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक आयोजन, जुलूस, रैली, नारेबाजी एवं हड़ताल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही इस अवधि के दौरान लाउडस्पीकर के उपयोग, निर्माण कार्य, टेंट अथवा मंच की स्थापना या हटाने की गतिविधियों पर भी रोक रहेगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के हथियार, लाठी, गोला–बारूद अथवा अन्य घातक वस्तुएं लेकर चलना भी पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने चिनार वृक्षारोपण अभियान के प्रथम चरण का शुभारंभ किया

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज ओक ओवर शिमला में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चिनार वृक्षारोपण अभियान के प्रथम चरण का शुभारंभ किया। अपनी घनी छाया, सुन्दरता और पर्यावरणीय महत्व के लिए प्रसिद्ध चिनार का वृक्ष शिमला की जलवायु के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। इस पहल का उद्देश्य हरित क्षेत्र का विस्तार करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वानिकी, पर्यावरण प्रबंधन एवं ईको–टूरिज्म से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन भी किया। इनमें वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के लिए तैयार की गई फील्ड हैंडबुक 'वन बोध', प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. संजय सूद द्वारा लिखित 'एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट एंड रेगुलेशंस', 'फॉरेस्ट्री प्रोजेक्ट्स: फॉरेस्ट कंजर्वेशन, लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट एंड इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट', जिसमें जेआईसीए, केएफडब्ल्यू और आईडीपी परियोजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों का विवरण

शामिल है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के 75 ईको–टूरिज्म स्थलों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया, जिसमें राज्य के प्रमुख पर्यावरणीय पर्यटन स्थलों का आकर्षक परिचय प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रकाशन वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, नीति–निर्माताओं तथा पर्यावरण संरक्षण में रुचि रखने वाले सभी लोगों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तकें वन प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और ईको–टूरिज्म के क्षेत्रों में ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए उनसे पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए अग्रणी भूमिका निभाने तथा एक हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर के विद्यार्थियों और 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के बच्चों को पौधे भी भेंट किए।

इस अवसर पर विधायक विनोद सुल्तानपुरी, सुदर्शन बबलू और हरदीप बावा, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेन्द्र चौहान, हिमाचल प्रदेश राज्य वन विकास निगम के उपाध्यक्ष के.एस. खाची, एचपीसीसी के महासचिव विनोद जिंटा, मुख्य सचिव के.के. पंत, प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. संजय सूद और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

युवाओं के लिए आईटीबीपी ने लगाई हथियारों की प्रदर्शनी

- हिमाचल पुलिस ने बताए साइबर सुरक्षा के उपाय
- किन्नौर उपायुक्त ने भी किया संबोधित

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (बी.शर्मा)

विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत किन्नौर के भ्रमण पर आए देश भर के सौ से ज्यादा युवाओं ने दूसरे दिन भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के बेस कैंप में निशानेबाजी के गुर सीखे। उन्हें आधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी देखने का मौका भी मिला। इसके माध्यम से युवाओं को देश के सुरक्षा बलों की मारक क्षमता और आधुनिक हथियारों को करीब से देखने का अवसर मिला वहीं, हिमाचल पुलिस के आला अधिकारियों ने युवाओं को साइबर फ्रॉड से बचने एवं साइबर सुरक्षा के तरीके बताए।

साइबर सुरक्षा पर केंद्रित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को डिजिटल युग के सुरक्षा टूल्स से अवगत कराया गया। रिकांग पिओ में माय भारतऔर आईटीबीपी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में आईटीबीपी के अनुशासित मार्गदर्शन से युवाओं में आत्मनिर्भरता और सामुदायिक गौरव की भावना जाग रही है। सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ–साथ आईटीबीपी यहां युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने में भी योगदान दे रही है। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत वंदे मातरम के गायन के साथ हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि और किन्नौर के उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार और राज्य निदेशक ध्रुव डोगरा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन किया गया। डॉ. अमित कुमार शर्मा और सुशील कुमार ने युवाओं को संबोधित किया। दोनों अधिकारियों ने प्रशासनिक नेतृत्व, सामुदायिक सुरक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष बल दिया। इसके बाद यह उत्सव सुर और ताल के बहुरंगी संगम में बदल गया। जेएनवी (JNV), केवी (KV), और आईटीआइ (ITI) स्कूल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए मनमोहक लोक नृत्यों और गीतों से पूरी घाटी गूंज उठी। इस सांस्कृतिक संध्या में आईटीबीपी के जांबाज जवानों ने भी मंच संभाला और देशभक्ति पर केंद्रित नृत्य प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के अगले चरण में सभी प्रतिभागियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत युवाओं को किन्नौर के अलग अलग गांवों में जाकर स्थानीय लोगों, पंचायतों, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों से मिलने का अवसर भी मिलेगा। जिससे वे न केवल देश की विविधतापूर्ण संस्कृति से अवगत होंगे बल्कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के विभिन्न आयामों को जान सकेंगे।

विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित माई भारत (MY Bharat) द्वारा किया गया है। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में बिहार, दमन एवं दीव, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के प्रतिभागी शामिल हुए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मैत्री संस्था की अनूठी पहल, कैंसर पीड़ित आयुष को लिया गोद

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (बी.शर्मा)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मैत्री संस्था द्वारा ग्रीन सीन शिमला – प्रोजेक्ट 56 के अंतर्गत टूटीकंडी क्षेत्र में स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान में संस्था के सदस्यों, आईटीआई शिमला के विद्यार्थियों तथा नगर निगम कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की सफाई की गई, पौधारोपण किया गया तथा पूर्व में लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। नगर निगम के सहयोग से अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मैत्री संस्था ने मानवता का परिचय देते हुए लोअर शांकली निवासी कैंसर पीड़ित बालक आयुष को छह माह के लिए गोद लेने की घोषणा की। संस्था उसकी सहायता हेतु प्रतिमाह ?2,000 की आर्थिक मदद प्रदान करेगी। साथ ही सदस्यों एवं सहयोगियों से प्राप्त स्वैच्छिक सहयोग राशि भी परिवार तक पहुंचाई जाएगी। संस्था ने समाज के लोगों से इस मानवीय कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

हार की बौखलाहट में लोकतंत्र और जनादेश का अपमान कर रहे हैं मुख्यमंत्री : जयराम ठाकुर

भ्रष्टाचार के हर आरोप पर जवाब देने की बजाय बेशर्मी दिखा रहे हैं प्रदेश के मुखिया

» प्रथम न्यूज । मण्डी
05 जून (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हार की बौखलाहट मुख्यमंत्री के चेहरे और बयानों में साफ दिखाई दे रही है। इसीलिए वह जनादेश और लोकतंत्र का अपमान कर रहे हैं। संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। जिन जनप्रतिनिधियों को हजार लोग चुनकर भेजते हैं उनके बारे में अपमानजनक और ओछी टिप्पणी करना मुख्यमंत्री की मानसिकता को दर्शाता है। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों के बारे में अनर्गल टिप्पणी उनकी संवैधानिक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है। मुख्यमंत्री का बयान पूरी तरीके से शर्मनाक है और उन्हें अपने इस बयान के लिए प्रदेशवासियों से और जनप्रतिनिधियों से माफी मांगनी चाहिए।

जयराम ठाकुर ने कहा कि सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार के एक के बाद एक आरोप लगे। उनके साथ काम कर रहे अधिकारियों पर भी आए दिन सवाल उठे। मित्र मंडली द्वारा मचाई गई लूट और फैलाई गई अराजकता से पूरा प्रदेश त्रस्त है। लेकिन भ्रष्टाचार के हर आरोप पर मुख्यमंत्री सिर्फ बेशर्मी दिखाते हैं। 1500 करोड़ से ज्यादा के चेस्टर हिल मामले में नाम आने पर मुख्यमंत्री ने आला अधिकारियों को बचाने के लिए जिस तरीके के बयान दिए वह पूर्णतया शर्मनाक और उनकी भ्रष्टाचार के समर्थन की सोच को उजागर करता है। आज मुख्यमंत्री पर उनके ही पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं वह शर्मसार करने वाले हैं। मुख्यमंत्री पर इस तरीके के आरोप की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बाद भी मुख्यमंत्री उन आरोपों पर जवाब देने से भाग रहे हैं और जो कह रहे हैं वह सर्वथा उनकी लाचारी को दिखाता है। भ्रष्टाचार के इतने बड़े मामले पर मुख्यमंत्री का चुप रहना पूरे के पूरे प्रकरण को संदिग्ध बताने के लिए काफी है। इतने बड़े मसले को मसाला कह देने से काम नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री को इन आरोपों का जवाब देना होगा। हर बात को टाल जाना, विपक्ष पर आरोप लगा देना। भ्रष्टाचार के आरोपों को राजनीतिक रंग दे देना हर बार नहीं चलेगा। प्रदेश को जवाब देना होगा और अटैचियों के आरोप के बारे में बताना होगा। झूठ बोलकर, लोगों को गुमराह करके मुख्यमंत्री सरकार के भ्रष्टाचार को ज्यादा दिन तक नहीं छुपा पाएंगे। अब लोग बोलने और सामने आने लगे हैं। भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगी हैं। सरकार को हर आरोप पर जवाब देना होगा। इतने बड़े आरोप को मसाला कहने से अटैचियों की हकीकत नहीं दबेगी।

मुख्यमंत्री की टिप्पणी चुने हुए प्रतिनिधियों और लाखों मतदाताओं का अपमान, सार्वजनिक माफी मांगें : हर्ष महाजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (बी.शर्मा)

भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने मुख्यमंत्री द्वारा जिला परिषद एवं बीडीसी चुनावों को लेकर की गई टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बयान न केवल चुने हुए जनप्रतिनिधियों का बल्कि उन लाखों मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर अपने प्रतिनिधियों का चयन किया है। मुख्यमंत्री को इस गैर–जिम्मेदाराना टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

हर्ष महाजन ने कहा कि जिला परिषद, बीडीसी, पंचायत और स्थानीय निकाय लोकतंत्र की बुनियादी इकाइयां हैं। इन संस्थाओं के लिए चुने गए प्रतिनिधि जनता की आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा इन चुनावों और प्रतिनिधियों के महत्व को कम करके आंकना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि कांग्रेस पार्टी जिला परिषद चुनावों में बुरी तरह पराजित हुई है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में कांग्रेस का जनाधार खिसक चुका है और जनता ने भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को भारी समर्थन दिया है। चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस सरकार के प्रति जनता में भारी असंतोष है।

हर्ष महाजन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री आज भय और निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। स्थानीय निकाय और पंचायतीराज चुनावों में जनता ने जो जनादेश दिया है, उसने कांग्रेस नेतृत्व की नींद उड़ा दी है। यही कारण है कि अब हार की समीक्षा करने के बजाय जनता के

फैसले को ही छोटा साबित करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीतिक विदाई यात्रा शुरू हो चुकी है। स्थानीय निकायों, नगर निगमों, जिला परिषदों और पंचायत स्तर पर मिले जनादेश ने यह संकेत दे दिया है कि प्रदेश की जनता अब कांग्रेस सरकार से छुटकारा चाहती है। आने वाले समय में यह जनाक्रोश और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

कांग्रेस नेताओं द्वारा लगातार हिंदू आस्था और सनातन परंपराओं से जुड़े विषयों पर दिए जा रहे बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए हर्ष महाजन ने कहा कि कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता एक बार फिर उजागर हुई है। कभी राम मंदिर निर्माण पर सवाल उठाए जाते हैं, कभी जय श्रीराम के उद्घोष पर आपत्ति जताई जाती है और कभी हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले बयान दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। भारत की संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीय चेतना में श्रीराम का विशेष स्थान है। जय श्रीराम कोई राजनीतिक नारा नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। हर्ष महाजन ने सवाल उठाया कि आखिर कांग्रेस पार्टी को जय श्रीराम के उद्घोष से इतनी परेशानी क्यों है? क्या कांग्रेस अब खुले तौर पर सनातन और हिंदू आस्था के विरोध की राजनीति करना चाहती है? प्रदेश और देश की जनता इन सवालों का जवाब चाहती है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस को लोकतांत्रिक जनादेश का सम्मान करना चाहिए और जनता के निर्णय को स्वीकार करना चाहिए। हार की हताशा में लोकतांत्रिक संस्थाओं, चुने हुए प्रतिनिधियों और धार्मिक आस्थाओं पर टिप्पणी करना किसी भी जिम्मेदार राजनीतिक दल को शोभा नहीं देता।

हर्ष महाजन ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र, सनातन संस्कृति और जनता की भावनाओं के सम्मान के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी प्रदेशवासियों की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी।

राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत क्लस्टर स्तर पर पट्टा में बैठक का आयोजन

मोबाइल एप्लीकेशन से महिलाओं को दिया प्रशिक्षण

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
05 जून (तारा)

विकास खंड कार्यालय पट्टा में शुक्रवार को राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

खण्ड विकास अधिकारी कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में संकुल सतरीय बैठक में स्वयं सहायता समूहों की सदस्य, कृषि एवं पशु सखी, सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों तथा संबंधित कार्मिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के दौरान लोकोस एप पर मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सभी समूह की महिलाओ एवं सभी संभावित लखपति दीदियों की प्रविष्टियों को आजीविका रजिस्टर में समयबद्ध एवं सही तरीके से दर्ज करने पर विशेष जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। खण्ड विकास अधिकारी ने कार्मिकों को निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं का विवरण शीघ्रता से दर्ज किया जाए ।

इसके अतिरिक्त स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को फूड वैन सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा स्वरोजगार एवं आयवर्धन के नए अवसरों पर जानकारी प्रदान की। बैठक में एंटरप्राइज ट्रैकिंग मॉड्यूल के प्रभावी क्रियान्वयन, समूहों की ओर से संचालित उद्यमों की नियमित निगरानी तथा उत्पादों के विपणन को सुदृढ़ करने के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश भी प्रदान किए गए।

आगामी शूलिनी मेले में स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया गया। समूहों की ओर से निर्मित स्थानीय उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई तथा महिलाओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपने उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया गया।

बैठक में मिशन एग्जीक्यूटिव (फार्म) प्रिया तथा एमआईएस ऑफिस असिस्टेंट अनु कुमार नेगी ने विभिन्न योजनाओं, पोर्टल प्रविष्टियों तथा समूहों की प्रगति से संबंधित जानकारी साझा करते हुए प्रतिभागियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

खंड विकास अधिकारी कुलदीप सिंह ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण आधार है तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं, उद्यमिता और विपणन अवसरों का लाभ उठाकर महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर सकती हैं।

राधे-राधे से मुख्यमंत्री को और जय श्रीराम से राजस्व मंत्री को परेशानी, कांग्रेस का असली चेहरा हुआ बेनकाब : संजीव कटवाल

राम मंदिर से लेकर जय श्रीराम के उद्घोष तक कांग्रेस की आपत्ति, सनातन विरोधी मानसिकता फिर आई सामने : संजीव कटवाल

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जून (बी.शर्मा)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा संजौली मंडल द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया गया तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता लगातार हिंदू और सनातन विरोधी मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। पहले मुख्यमंत्री को राधे–राधे के उद्घोष से परेशानी थी और अब कांग्रेस के एक वरिष्ठ मंत्री को जय श्रीराम के नारे से तकलीफ हो रही है। इससे कांग्रेस का वास्तविक चेहरा जनता के सामने उजागर हो गया है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम भारत की आस्था, संस्कृति और सभ्यता के

प्रतीक हैं। करोड़ों लोगों की श्रद्धा भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। ऐसे में जय श्रीराम के उद्घोष पर आपत्ति जताना देश की बहुसंख्यक जनता की भावनाओं का अपमान है।

संजीव कटवाल ने कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर निर्माण से भी हमेशा आपत्ति रही है। जब पूरा देश भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण पर गर्व कर रहा था, तब कांग्रेस के नेता इस विषय पर भी नकारात्मक राजनीति करते रहे। अब जय श्रीराम के उद्घोष से परेशानी जाहिर कर कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी सनातन विरोधी सोच को सामने ला दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को कांग्रेस नेताओं का वह बयान भी याद है, जिसमें कहा गया था कि वे हिमाचल प्रदेश में 97 प्रतिशत हिंदू आबादी को हराकर सत्ता में आए हैं। ऐसे बयान कांग्रेस की मानसिकता और हिंदू समाज के प्रति उसके दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।कटवाल ने कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मर्यादा, आदर्श और राष्ट्र चेतना के आधार हैं। भारत के कण–कण में राम बसते हैं और करोड़ों लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि श्रीराम और सनातन संस्कृति के प्रति अनादर की राजनीति देश और प्रदेश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति छोड़कर देश की सांस्कृतिक विरासत और सनातन परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। बार–बार हिंदू आस्था और धार्मिक प्रतीकों पर सवाल उठाने से कांग्रेस का राजनीतिक नुकसान ही होगा।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संजीव चौहान, संजीव देशटा, कमलजीत सूद, कर्ण नंदा, किमी सूद, संजय सूद, पीयूष नेगी, कुसुम सदरेट, प्रेम चौहान, जय लाल ठाकुर, अजय पाल, आशु शर्मा, योगिंद्र पुंडीर, चंद्रशेखर शर्मा, पूजा, अमित एवं समाज अग्रवाल सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रेयस अय्यर जीते, सूर्यकुमार यादव बुरी तरह से फेल लगातार दूसरा मैच हारी टीम

» प्रथम न्यूज । मुंबई
05 जून (ब्यूरो)

मुंबई की T20 लीग में भी सूर्यकुमार यादव का बल्ला नहीं चल रहा. फॉर्म उनसे रूठी ही है. ऊपर से कप्तानी में टीम को हार मिल रही है वो अलग. दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की टीम ने लीग में अपनी पहली जीत का दीदार कर लिया. इन दोनों के मुकाबले 4 जून को खेले गए. सीजन के 7वें मैच में श्रेयस अय्यर की टीम SoBo मुंबई फाल्कंस का सामना स्र्ष्ट मराठा रॉयल्स से हुआ तो वहीं 8वां मुकाबला सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली ट्रिंफ नाईट MSC और बांद्रा ब्लास्टर्स के बीच खेला गया.

एक जून से शुरू हुए T20 मुंबई लीग 2026 में ये इन दोनों खिलाड़ियों की टीमों का दूसरा मुकाबला था. श्रेयस अय्यर को जीत मिली मगर सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम को लगातार दूसरी हार से दो-चार होना पड़ा.

श्रेयस अय्यर की टीम को मिली पहली जीत

सबसे पहले बात श्रेयस अय्यर की जीत की कर लेते हैं. आदित्य तारे की कप्तानी में इनकी टीम SoBo मुंबई फाल्कंस ने 4 जून को खेले मुकाबले में MSC मराठा रॉयल्स को 3 विकेट से हराया. MSC मराठा रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 152 रन बनाए थे.

जवाब में SoBo मुंबई फाल्कंस ने लक्ष्य को 5 गेंद पहले ही 19.1 ओवर में 7 विकेट खोकर चेज कर लिया. इस विजयी रनचेज में श्रेयस अय्यर का योगदान 30 रन का रहा, जो कि उन्होंने 125 की स्ट्राइक रेट से 2 चौके और 2 छक्के के साथ बनाए. T20 मुंबई लीग 2026 में श्रेयस अय्यर की टीम SoBo मुंबई फाल्कंस की ये अब तक खेले 2 मैचों में पहली जीत है. पहले मुकाबले में ARCS अंधेरी ने SoBo मुंबई फाल्कंस को 5 विकेट से हराया था, जिसमें श्रेयस अय्यर का योगदान सिर्फ 5 रन का रहा था.

T20 मुंबई लीग में श्रेयस Vs सूर्यकुमार

T20 मुंबई लीग 2026 में अब खेले 2-2 मुकाबलों के बाद बैटिंग परफॉर्मेन्स को देखें तो सूर्यकुमार यादव के मुकाबले श्रेयस अय्यर जरा बेहतर नजर आते हैं. सूर्यकुमार यादव ने पहले 2 मैचों में जहां सिर्फ 23 रन बनाए हैं. वहीं इससे ज्यादा रन श्रेयस अय्यर ने तो एक इनिंग में ही जड़े हैं. श्रेयस अय्यर ने 2 मैचों में 35 रन बनाए हैं.

लगातार दूसरा मैच भी हारे सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली ट्रिंफ नाईट MSC को 4 जून को खेले अपने दूसरे मैच में बांद्रा ब्लास्टर्स के हाथों 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. ट्रिंफ नाइट MSC ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 178 रन बनाए. जवाब में बांद्रा ब्लास्टर्स ने लक्ष्य को 3 गेंद पहले ही चेज कर लिया. उसने 6 विकेट खोकर 19.3 ओवर में 179 रन बनाए. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में ट्रिंफ नाइट MSC को हार तो मिली ही, साथ ही उनकी बल्लेबाजी भी विफल रही. उन्होंने 6 गेंदों का सामना कर 4 रन बनाए. T20 मुंबई लीग 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली ट्रिंफ नाइट स्र्ष्ट की ये लगातार दूसरी हार है. इससे पहले 2 जून को नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के खिलाफ मुकाबले में उन्हें 21 रन से हार का सामना करना पड़ा था. वहां भी सूर्यकुमार यादव का बल्ले से योगदान केवल 19 रन का रहा था.

श्रेयस अय्यर बनें भारत के अगले टी20 कप्तान : पूर्व चयनकर्ता देवांग गांधी

टीम इंडिया की टी20 कप्तानी को लेकर इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिलेक्टर्स अब मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव की जगह टी20 कप्तानी किसी नए खिलाड़ी को सौंपने पर विचार कर रहे हैं। भारत के पूर्व खिलाड़ी और सिलेक्टर रह चुके देवांग गांधी का मानना है कि सूर्यकुमार की जगह टी20 टीम की अगुवाई करने की रेस में सबसे आगे श्रेयस अय्यर का नाम चल रहा है। देवांग गांधी ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए कहा कि अय्यर के पास कप्तानी का अनुभव मौजूद है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ओलंपिक में अभी दो साल बाकी हैं। क्या सिलेक्टर्स दो साल बाद भी उन्हें देख रहे हैं? तो, यही बड़ा सवाल है। देखिए, मुकाबला काफी कड़ा है। हर किसी को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और बहुत सारे खिलाड़ी बढ़िया प्रदर्शन कर भी रहे हैं। श्रेयस लगातार अच्छा कर रहे हैं।

रजत पाटीदार भी दमदार खेल दिखा रहे हैं। कप्तान के तौर पर रजत का प्रदर्शन पिछले दो साल में शानदार रहा है। मुझे लगता है कि सूर्यकुमार की बल्लेबाजी फॉर्म चिंता का विषय है और मेरे हिसाब से अब उनसे आगे बढ़ने का समय आ चुका है। पूर्व सिलेक्टर ने आगे कहा, आप हमेशा ऐसा कप्तान चाहते हैं, जिसके पास अनुभव हो, चाहे वह इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव हो या फिर आईपीएल का। मुझे लगता है कि श्रेयस जिस तरह से पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं और वह इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बना चुके हैं, तो मेरे हिसाब से वह टी20 कप्तान बनने की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। अगर उन्हें मौका मिलता है, तो वह इसके हकदार भी हैं।

देवांग गांधी का कहना है कि अगर श्रेयस अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, तो तिलक वर्मा या फिर ईशान किशन में से किसी एक को उपकप्तान भी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से ईशान किशन उपकप्तान के रूप में ज्यादा बेहतर विकल्प होंगे।

ईशान आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबलों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करते हुए नजर आए थे। इसके साथ ही अपनी अगुवाई में झारखंड को सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट भी जिताया था।

कितनी बदल गई टीम इंडिया ? नहीं खेलेंगे ये 10 खिलाड़ी, ऐसी थी पिछले टेस्ट की प्लेइंग XI

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
05 जून (ब्यूरो)

टेस्ट क्रिकेट में भारत और अफगानिस्तान दूसरी बार आमने-सामने होने जा रहे हैं. दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट साल 2018 में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला गया था, जिसे भारत ने पारी और 262 रन के बड़े अंतर से जीता था. अब जब दूसरी बार दोनों टीमें न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर टकराने वाले हैं तो भी टीम इंडिया का ही पलड़ा भारी है. भारत-अफगानिस्तान में पहले और होने वाले दूसरे टेस्ट के बीच 8 साल बीत चुके हैं. सवाल है इस दौरान कितनी बदल गई है टीम इंडिया? यहां बदलाव से मतलब प्लेइंग इलेवन में खेलने वाले खिलाड़ियों से जुड़ी है.

पिछले और इस बार के टेस्ट में केएल राहुल कॉमन

अफगानिस्तान के खिलाफ पहली बार खेले टेस्ट में टीम इंडिया की जो प्लेइंग इलेवन खेली थी, उसके 11 में से 10 खिलाड़ी इस बार प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे. पिछली प्लेइंग इलेवन में से सिर्फ एक केएल राहुल ही हैं, जो इस बार खेलते नजर आएंगे. केएल राहुल भारत की मौजूदा टेस्ट टीम के उप-कप्तान भी हैं.

पिछले टेस्ट की प्लेइंग XI vs अफगानिस्तान: मुरली विजय, शिखर धवन, केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, आर. अश्विन, रवींद्र जडेजा, ईशांत शर्मा और उमेश यादव.

पिछले टेस्ट के 10 खिलाड़ियों की जगह लेगा कौन?

अब सवाल है कि इस बार कौन से वो खिलाड़ी होंगे जो प्लेइंग इलेवन में उन 10 खिलाड़ियों की जगह लेते दिखेंगे, जो पिछले टेस्ट में खेले थे. जिनके नाम सामने आने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू हो रहे टेस्ट मैच की संभावित प्लेइंग इलेवन का भी पता चलता दिखेगा.शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ओपनिंग में मुरली विजय और शिखर धवन को रिप्लेस करते दिखेंगे. केएल राहुल की जगह टीम में पिछली बार की तरह इस बार भी पक्की होगी.

सिर्फ उनकी बैटिंग पोजिशन में बदलाव दिख सकता है.इसकी पूरी उम्मीद लग रही है कि पुजारा की जगह इस बार साई सुदर्शन नंबर 3 पर बैटिंग करते दिखेंगे. वहीं रहाणे की जगह पडिक्कल को मौका मिल सकता हैं. विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर दिनेश कार्तिक की जगह इस बार के प्लेइंग इलेलन में ऋषभ पंत का आना तय है. बतौर ऑलराउंडर इस बार अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में हार्दिक पंड्या की जगह नीतीश कुमार रेड्डी खेलते दिखेंगे. अश्विन की जगह वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा को हर्ष दुबे अपना डेब्यू करते हुए रिप्लेस कर सकते हैं. तेज गेंदबाजी में ईशांत शर्मा और उमेश यादव की जगह इस बार की प्लेइंग इलेवन में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा लेते दिख सकते हैं. हालांकि, सिराज की फिटनेस पर अभी सस्पेंस है. ऐसे में अगर वो अनफिट रहते हैं तो फिर गुरनूर ब्रार डेब्यू कर सकते हैं.

इस बार नहीं खेलेंगे ये 10 खिलाड़ी

अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में से मुरली विजय, शिखर धवन, दिनेश कार्तिक और आर, अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. वहीं पुजारा, रहाणे, ईशांत और उमेश ने रिटायरमेंट की घोषणा तो नहीं की लेकिन वे लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से दूर हैं. रवींद्र जडेजा को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच से आराम दिया गया है. वहीं हार्दिक पंड्या ने बहुत पहले ही अपनी फिटनेस के चलते टेस्ट क्रिकेट से दूरी बना ली है.

जनगणना 2027 के लिए 1400 अधिकारी एवं कर्मचारी देंगे अपनी सेवायें : उपायुक्त मुकेश रेपसवाल

16 जून से प्रारंभ होगी भवन सूचीकरण एवं आवास गणना : उपायुक्त

» प्रथम न्यूज । चंबा
05 जून (एएम नाथ)

उपायुक्त एवं जिला जनगणना अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जिला चम्बा में भवन सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य 16 जून 2026 से प्रारंभ होकर 15 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला चम्बा को 22 विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। उन्होंने बताया कि भवन सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य जिले की 16 तहसीलों एवं उप-तहसीलों के अतिरिक्त 2 नगर परिषदों, 2 नगर पंचायतों तथा 2 छावनी क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों में किया जाएगा। इस कार्य के लिए प्रगणन अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया हैं।

उपायुक्त ने बताया कि जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए जिले में लगभग 1400 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके तहत प्रगणन अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 32 फील्ड प्रशिक्षुओं द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण बैचों में लगभग 200 प्रगणन अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जबकि शेष प्रगणन अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्य

12 जून तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जनगणना के दूसरे चरण में 11 से 30 सितंबर 2026 के बीच जिले के शीतकालीन एवं दुर्गम क्षेत्रों, जिनमें भरमौर, पांगी, होली तथा अन्य दूरस्थ क्षेत्र शामिल हैं, में जनगणना का कार्य संपन्न किया जाएगा। इस दौरान लगभग 1050 गांवों को कवर किया जाएगा। इसके पश्चात जिले के शेष क्षेत्रों में जनगणना का कार्य 9 से 28 फरवरी 2027 तक संचालित होगा।

उपायुक्त ने बताया कि जनगणना के अंतर्गत 1 से 5 मार्च 2027 तक पुनर्निरीक्षण चरण आयोजित किया जाएगा, ताकि किसी भी छूटी हुई जानकारी का सत्यापन एवं अद्यतन किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान एकत्रित की जाने वाली सभी सूचनाएं पूर्णत: गोपनीय रखी जाएंगी तथा उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय, नीतिगत एवं योजनागत उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मुकेश रेपसवाल ने जिले के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे जनगणना के दौरान सही, सटीक एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाएं, ताकि सरकार द्वारा संचालित विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ पात्र व्यक्तियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। उपायुक्त ने बताया कि जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना है, जिसके अंतर्गत नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी प्रदान की गई है। यह सुविधा 1 जून से 15 जून 2026 तक उपलब्ध है। नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नागरिक https://se.census.gov.in पर लॉगिन कर अपनी स्व-गणना संबंधी जानकारी अपलोड कर सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे सही एवं प्रमाणिक जानकारी दर्ज कर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

पीएम श्री आदर्श विद्यालय घुमारवीं के 16 विद्यार्थियों का अग्निवीर योजना में चयन, घुमारवीं विद्यालय में खुशी की लहर

घुमारवीं, 5 जून (देशराज) – एसवीपीएम पीएम श्री आदर्श विद्यालय घुमारवीं के 16 होनहार विद्यार्थियों का भारतीय सेना की अग्निवीर योजना के अंतर्गत चयन होने पर विद्यालय में खुशी का माहौल है।

चयनित विद्यार्थियों में अनमोल, शिवम, सुजल, हर्षित, महेश्वर, हनिश, शुभम, राहुल तथा दीक्षित शामिल हैं। इन विद्यार्थियों ने अपने कठिन परिश्रम अनुशासन और देशसेवा के जज्बे के बल पर यह उपलब्धि हासिल कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

पाठशाला के डीपीई प्रेम वशिष्ठ ने बताया कि ये बच्चे खेलों में भी अव्वल रहे हैं द्व उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके निरंतर प्रयास, समर्पण तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी तथा उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने की सीख देगी।

विद्यालय परिवार ने सभी चयनित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उन्होंने कहा कि मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला बिलासपुर में आयोजित हुआ स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
05 जून (जितेंद्र गौतम)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन बिलासपुर की अगुवाई में जिला बिलासपुर में स्वच्छता एवं पौध रोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

इस अभियान का शुभारंभ उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने लुहणू मैदान में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लेकर किया। इसके उपरांत उन्होंने नगर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर पौधरोपण कार्यक्रमों में सहभागिता की तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और अधिकाधिक पौधे लगाने का भी आह्वान किया। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

इस मौके पर उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि पृथ्वी मानव जीवन का आधार है और इसका संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं या अभियानों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के व्यवहार और जीवनशैली से जुड़ा हुआ दायित्व है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पौधरोपण, जल संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग जैसे छोटे-छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़े बदलाव ला सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की दिशा में समाज का प्रत्येक वर्ग सक्रिय योगदान दे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

उपायुक्त ने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने में सहयोग करने तथा अपने घर, कार्यस्थल और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ नियमित रूप से पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आहवान किया।

सहायक आयुक्त राज कुमार की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय परिसर जबकि जिला विकास अधिकारी यशपाल की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत बंदला के विनायक घाट में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया।

इसके अतिरिक्त जिला के सभी उपमंडलों तथा विकास खंडों में भी संबंधित एसडीएम तथा खंड विकास अधिकारियों की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत स्तर पर भी स्वच्छता एवं पौध रोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अभियान में विभिन्न विभागों सहित सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिलाओं एवं युवाओं तथा स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा प्रकृति के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का भी संकल्प लिया।

पर्यावरण संरक्षण, हमारा कर्तव्य पेड़ लगाओ, प्रदूषण भगाओ

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री मति हरप्रीत कौर की देखरेख में, पर्यावरण संरक्षण में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए गत वर्षों से चल रहे एक पेड़, मां के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया

इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों को अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ को लगाने का आग्रह बच्चों से किया गया है, अपनी अपनी सुविधा अनुसार बच्चों को अपनी घर की जमीन, या समीप में खाली सरकारी जमीन पर पेड़ लगाने को कहा गया है

प्रधानाचार्य सुरजीत सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों को फलदार एवं छायादार पेड़ विद्यालय उपलब्ध करवाएगा और पर्यावरण प्रभारी श्री मति रेखा अत्री एवं मिशन लाइफ़ की प्रभारी श्री मति हरप्रीत कौर के साथ मिलकर विद्यालय ने यह योजना भी बनाई है कि गत वर्षों से इस अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों की स्थित की जांच कर उनके खाद पानी की चर्चा विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से की जाएगी ताकि एक हरा भरा सुरक्षित वातावरण चक्र तैयार हो सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म से राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचेगा स्थानीय उद्यम

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
05 जून (जितेंद्र गौतम)

महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बिलासपुर मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा स्वयं सहायता समूहों को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उद्योग विभाग ने शुक्रवार को स्वारघाट स्थित सरकारी विश्राम गृह में रैम्प (रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में डिजिटल साक्षरता, वित्तीय प्रबंधन तथा गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के माध्यम से सरकारी खरीद प्रणाली में भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने बताया कि तेजी से बदलते व्यावसायिक परिवेश में डिजिटल तकनीक छोटे उद्यमों के लिए नए अवसर लेकर आई है। ऐसे में स्थानीय उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को आधुनिक डिजिटल साधनों से जोड़ना समय की मांग है। इसी उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में 30 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लेकर विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में प्रसार अधिकारी (उद्योग) सदर एवं प्रशिक्षक प्रकाश बंसल, रैम्प कार्यक्रम की वरिष्ठ सलाहकार संगीता सोनी, आशुतोष तथा सलाहकार संस्कृति शर्मा ने प्रतिभागियों को डिजिटल व्यवसाय प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने सोशल मीडिया, व्हाट्सएप बिजनेस, डिजिटल भुगतान

प्रणाली और ऑनलाइन मार्केटिंग टूल्स के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। इसके अतिरिक्त वित्तीय प्रबंधन, बजट निर्माण, नकदी प्रवाह नियंत्रण, बैंकिंग सेवाओं के बेहतर उपयोग तथा विभिन्न सरकारी वित्तीय सहायता योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

दूसरे सत्र में गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि जीईएम प्लेटफॉर्म के माध्यम से एमएसएमई, स्वयं सहायता समूह और स्टार्टअप सीधे विभिन्न सरकारी विभागों को अपने उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध करा सकते हैं। इससे उद्यमियों को पारदर्शी खरीद प्रणाली, समयबद्ध भुगतान तथा देशव्यापी बाजार तक पहुंच का अवसर प्राप्त होता है।

कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण ऑन-द-स्पॉट जीईएम पंजीकरण एवं ऑनबोर्डिंग अभियान रहा। इस दौरान कई महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों ने मौके पर ही विक्रेता के रूप में अपना पंजीकरण करवाया। विभागीय अधिकारियों और विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की तकनीकी समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें पोर्टल के उपयोग संबंधी व्यावहारिक जानकारी भी प्रदान की।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

एक नज़र

एक पौधा मां के नाम अभियान से पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश दे रही है भाजपा : विजय सांपला

जालंधर, 5 जून (शैली अल्बर्ट) भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्र सरकार के सफल 12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के पूर्ण होने के अवसर पर विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में शहीद कैप्टन गुरप्रताप सिंह चाहल पार्क, गोल्डन एवेन्यू में एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री विजय सांपला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर विजय सांपला ने पौधारोपण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक पौधा मां के नाम अभियान केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश नहीं देता, बल्कि यह मातृ शक्ति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को भी प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण आज की आवश्यकता है और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए।

विजय सांपला ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने जनकल्याण, विकास और सुशासन के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। देश आज विश्व स्तर पर नई पहचान बना रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज और राष्ट्रहित के कार्यों को जन आंदोलन का रूप देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में सरबजीत सिंह मक्कड़, जगबीर सिंह बराड़, जिला महामंत्री राजेश कपूर, अशोक सरीन हिक्की, अमरजीत सिंह गोल्डी, पार्षद कुंवर सरताज, मंडल अध्यक्ष शिव दर्शन सिंह, अभि सनी शर्मा,तथा यशपाल दुआ सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय निवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया।

धरती को बचाने के लिए सिंगल-यूज़ प्लास्टिक छोड़ना और पानी बचाना हमारी ज़िम्मेदारी : डा. आशीष सरीन

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) – आज पूरे सूबे में विश्व पर्यावरण दिवस बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों, गैर–सरकारी संस्थाओं (एनजीओ), स्कूलों और कॉलेजों द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा का आह्वान करते हुए कई जागरूकता कार्यक्रम और पौधारोपण अभियान भी चलाए गए। यह शब्द हिज एक्सेलेंस इंस्टीट्यूट और सेंट कबीर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चग्गरान होशियारपुर के एम.डी. डा. आशीष सरीन ने कुछ चुने हुए पत्रकारों के साथ एक प्रेस वार्ता के दौरान साझा किए!

उन्होंने कहा कि धरती को बचाने के लिए हमें संयुक्त प्रयास करने की मुख्य आवश्यकता है। उन्होंने सूबे में बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और घटते जंगलों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यदि हमने आज भी पानी के दुरुपयोग और प्लास्टिक के कचरे को नहीं रोका, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि शहरों और गांवों की साझा जगहों, पार्कों और सड़कों के किनारे छायादार और फलदार पौधे लगाने का अभियान शुरू करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों के पोस्टर मेकिंग, भाषण और लेख प्रतियोगिताएं करवानी चाहिए ताकि नई पीढ़ी को प्रकृति से जोड़ा जा सके।

उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों को सिंगल–यूज़ प्लास्टिक त्यागकर कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करना चाहिए! उन्होंने कहा कि सिर्फ़ पेड़ लगाना ही काफ़ी नहीं है, बल्कि उनके बड़े होने तक उनकी देखभाल करना और पानी के गिरते स्तर को बचाना भी हमारी सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है।

शेर-ए-पंजाब प्रेस क्लब के प्रधान बलजीत बिट्टू की अगवाई में बैठक अयोजित

अमृतसर (साहिब दयाल) शेर–ए–पंजाब प्रेस क्लब, जंडियाला गुरु की मासिक बैठक क्लब के प्रधान बलजीत सिंह बिट्टू की अध्यक्षता में एक निजी रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। इस बैठक में पत्रकारों को पेश आ रही समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। इस मौके पर शेर–ए–पंजाब प्रेस क्लब के चेयरमैन राम शरणजीत सिंह ने क्लब के सदस्यों से एकजुट रहने और समाज के प्रति अपना योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का मुख्य कर्तव्य समाज के दबे–कुचले लोगों की आवाज़ को निडरता और निस्वार्थ भाव से प्रशासन तक पहुँचाना है, जिससे समाज में प्रेस का सम्मान बना रहे। लेकिन आज जंडियाला गुरु में चिंताजनक माहौल है क्योंकि पत्रकारों के बीच कुछ ऐसे काली भेड़ (बुरे तत्व) घुस आए हैं, जो अपने गलत कामों से समाज में सभी पत्रकारों की बदनामी कर रहे हैं। समय की मुख्य मांग है कि हम सभी ऐसे बुरे तत्वों के प्रति जागरूक रहें। इस अवसर पर प्रधान बलजीत सिंह बिट्टू, चेयरमैन राम शरणजीत सिंह, हरिंदर सिंह डडवाल, जसबीर सिंह भोला, मनदीप सिंह जम्मू, मलकीत सिंह सग्गू, गुरदेव सिंह मल्ली, गुरदेव सिंह मनजोतरा, कुलदीप सिंह डडवाल, सरदूल सिंह आदि मौजूद थे।

ट्रंप की ईरान को दो टूक चेतावनी: अमेरिकी सैनिकों पर हमला हुआ तो फिर शुरू होगा युद्ध

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
05 जून (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि ईरान ने अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाया, तो अमेरिका उसके खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई करने से नहीं हिचकेगा। ट्रंप ने कहा कि ऐसी स्थिति में युद्ध शुरू करने की ठोस वजह मौजूद होगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता गंभीर रूप से कमजोर हो चुकी है। उनके अनुसार, ईरान के पास अब प्रभावी नौसेना और वायुसेना नहीं बची है, जबकि उसका नेतृत्व तंत्र भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

ट्रंप ने कहा, उनके पास 159 जहाज थे और वे सभी अब समुद्र की तलहटी में पड़े हैं। हमारे पास इसकी तस्वीरें भी हैं। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में किसी भी सैन्य टकराव की जिम्मेदारी ईरान के कदमों पर निर्भर करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से जुड़े घटनाक्रमों की मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि ईरान को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन कुछ मीडिया संस्थान उसकी स्थिति को बेहतर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस में युद्ध शक्तियों को लेकर विवाद

इस बीच, अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को 215 के मुकाबले 208 वोटों से एक प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव का उद्देश्य कांग्रेस की मंजूरी के बिना राष्ट्रपति को ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने से रोकना है। ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के चार सांसदों ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया।प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा, एक बेमतलब के मतदान में चार खराब रिपब्लिकन और सभी डेमोक्रेट्स ने मिलकर मेरी युद्ध शक्तियों को सीमित करने की कोशिश की, जबकि मैं ईरान के साथ संघर्ष समाप्त करने के लिए बातचीत के अंतिम दौर में हूं। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर अमेरिका–ईरान संबंधों और राष्ट्रपति की सैन्य शक्तियों को लेकर राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है।

पंजाब: करोड़ों रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में आरोपी को तीन साल की सजा

» प्रथम न्यूज । मोहाली
05 जून (ब्यूरो)

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने करोड़ों रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ स्थित जीडी इस्पात उद्योग के साझेदार समीर दुआ को दोषी करार दिया है।

कोर्ट ने आरोपी को तीन साल की सजा सुनाई। सीबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस नोट में बताया गया कि मोहाली स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने 4 जून को समीर दुआ को तीन वर्ष के कठोर कारावास और 15 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। सीबीआई के अनुसार, इस मामले में समीर दुआ, दिलीप दुआ और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय ओवरसीज बैंक (आईओबी), मंडी गोबिंदगढ़ शाखा के साथ धोखाधड़ी करने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर समीर दुआ को दोषी पाया और सजा सुनाई।

सीबीआई ने बताया कि सह–आरोपी दिलीप दुआ के निधन के कारण उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही समाप्त कर दी गई थी। इससे पहले, 1 जून को सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी मामले में आरकॉम ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारी को गिरफ्तार किया था। जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशन ग्रुप (आरकॉम) के एक शीर्ष अधिकारी अमिताभ झुनझुनवाला को गिरफ्तार किया था।

डीसी कुलगाम ने मुहर्रम व्यवस्था की समीक्षा बैठक की

» प्रथम न्यूज । कुलगाम
05 जून (ब्यूरो)

कुलगाम के उपायुक्त शहजाद आलम ने आज यहां मिनी–सचिवालय में आगामी पवित्र महीने मुहर्रम–उल–हराम की तैयारियों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की बैठक बुलाई।

डीसी ने पीडीडी और पीएचई के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पवित्र दिनों के दौरान विशेष रूप से जिले के शिया बहुल क्षेत्रों में बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। पीएचई अधिकारियों को इमाम बारों पर टैंकर सेवा उपलब्ध रखने के लिए कहा गया जबकि पीडीडी अधिकारियों को इमाम बारों के पास जेनरेटर लगाने का निर्देश दिया गया।

सीए एवं पीडी अधिकारियों को शिया बहुल क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया जबकि स्वास्थ्य अधिकारियों को जिले के इमाम बारों के पास प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित करने और एम्बुलेंस सेवा को तैयार रखने का निर्देश दिया गया।

आर एंड बी अधिकारियों को सभी सड़कों, विशेष रूप से इमाम बारों की ओर जाने वाली सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

रुपये को सहारा देने के लिए सरकार का बड़ा दांव विदेशी निवेशकों को LTCG टैक्स से मिली पूरी छूट

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
05 जून (ब्यूरो)

रुपये पर बढ़ते दबाव और विदेशी पूंजी के लगातार पलायन के बीच केंद्र सरकार ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने शुक्रवार को एक अध्यादेश जारी कर आयकर अधिनियम में संशोधन करते हुए विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) में किए गए निवेश पर लगने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (LTCG) को पूरी तरह समाप्त कर दिया है।सरकार का मानना है कि इस फैसले से भारतीय सरकारी बॉन्ड बाजार विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनेगा और देश में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ेगा।

चूंकि सरकारी प्रतिभूतियां आमतौर पर लंबी अवधि के निवेश साधन होती हैं, इसलिए कर छूट का उद्देश्य स्थिर और टिकाऊ निवेश को प्रोत्साहित करना है। इस अध्यादेश से पहले विदेशी निवेशकों को इक्विटी और डेट निवेश से होने वाले दीर्घकालिक लाभ पर 12.5 प्रतिशत LTCG टैक्स देना पड़ता था।

जुलाई 2024 के बजट में यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत की गई थी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भू–राजनीतिक तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से बड़े पैमाने पर धन निकाला है। इससे न केवल पूंजी बाजार प्रभावित हुआ है, बल्कि भारतीय मुद्रा पर भी दबाव बढ़ा है। महंगे कच्चे तेल, बढ़ते व्यापार घाटे और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के कारण रुपये में लगातार कमजोरी देखने को मिली है। विदेशी निवेशकों की निकासी और डॉलर की बढ़ती मांग ने रुपये को रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंचा दिया, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा।

रुपये को स्थिर रखने के लिए आरबीआई लगातार अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग कर रहा है। डॉलर की बिक्री के चलते हाल के महीनों में विदेशी मुद्रा भंडार में भी गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही आरबीआई ने कुछ दीर्घकालिक सरकारी बॉन्ड को पूरी तरह सुलभ श्रेणी (Fully Accessible Route) में शामिल कर विदेशी निवेशकों के लिए निवेश के रास्ते और आसान कर दिए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि पूंजीगत लाभ कर से छूट मिलने के बाद विदेशी निवेशकों का शुद्ध रिटर्न बढ़ेगा, जिससे भारतीय सरकारी बॉन्ड बाजार में उनकी भागीदारी बढ़ सकती है। इससे देश में विदेशी मुद्रा का प्रवाह मजबूत होगा, वित्तीय बाजारों में तरलता बढ़ेगी और सरकार को बुनियादी ढांचा एवं विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी।सरकार का यह कदम भारतीय वित्तीय बाजारों को वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव माना जा रहा है। इससे न केवल निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक विदेशी निवेश को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

दो बसों में आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत, मासूम समेत 5 की मौत; केबिन तोड़कर निकाले गए यात्री

» प्रथम न्यूज । रायसेन
05 जून (ब्यूरो)

रायसेन–भोपाल नेशनल हाईवे पर सेहतगंज फैक्ट्री के पास एक पेट्रोल पंप के नजदीक दो तेज रफ्तार यात्री बसें आपस में आमने–सामने सीधे टकरा गईं। यह भीषण टक्कर सागर से भोपाल जा रही 'शक्ति ट्रैवल्स' और भोपाल से सागर लौट रही 'कल्पना ट्रैवल्स' की बसों के बीच हुई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि पलभर में पूरा हाईवे चीख–पुकार से गूंज उठा। इस भयानक हादसे में एक मासूम बच्चे और एक महिला समेत पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 35 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। कई घायलों की हालत बेहद नाजुक होने के कारण मृतकों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

सिंगल लेन पर ओवरटेक के चक्कर में हुआ हादसा, पिचक गए दोनों बसों के केबिन: प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों ही बसें बेहद तेज रफ्तार में दौड़ रही थीं। रायसेन से गैरतगंज के बीच का यह पूरा हिस्सा सिंगल लेन सड़क है।

इसी सिंगल लेन पर हैवी ट्रैफिक के बीच एक बस के चालक ने आगे निकलने (ओवरटेक) का प्रयास किया, जिससे दोनों चालकों का अपनी–अपनी गाड़ियों से नियंत्रण बिगड़ गया और बसें सीधे एक–दूसरे में जा घुसीं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बसों के अगले केबिन पूरी तरह पिचक गए और खिड़कियों के पास बैठे यात्री इसकी सीधी चपेट में आकर लहूलुहान हो गए।

ग्रामीणों ने शीशे तोड़कर बचाई जान, कलेक्टर और एसपी ने खुद संभाला मोर्चा: हादसे के बाद हुए धमाके जैसी आवाज को सुनकर आसपास के ग्रामीण और पेट्रोल पंप के कर्मचारी तुरंत मदद के लिए दौड़े। लोगों ने बसों के शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकालना शुरू किया। सूचना मिलते ही गैरतगंज थाना पुलिस, डायल–100 और 108 एंबुलेंस की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने खुद घटनास्थल पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। सभी घायलों को तुरंत गैरतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां से 12 गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के कारण हाईवे पर करीब डेढ़ घंटे तक लंबा जाम लगा रहा, जिसे बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बसों को हटाकर खुलवाया गया।

'खूनी खंड' बन चुका है हाईवे का यह हिस्सा, 1 साल में जा चुकी है 17 जानें: घटना के चश्मदीद रमेश अहिरवार ने बताया कि वे पास में ही चाय पी रहे थे कि अचानक जोर की आवाज आई।

जब वे दौड़कर पहुंचे तो मंजर बेहद खौफनाक था और लोग खिड़कियों से नीचे गिर रहे थे। इस हादसे ने एक बार फिर नेशनल हाईवे–146 की बदहाली और प्रशासनिक अनदेखी की पोल खोल दी है। रायसेन से गैरतगंज तक का 40 किलोमीटर का यह हिस्सा आज भी सिंगल लेन है, जबकि यहां से रोजाना सैकड़ों भारी ट्रक और बसें गुजरती हैं। पिछले महज एक साल के भीतर हाईवे के इसी टुकड़े पर अलग–अलग हादसों में 17 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। स्थानीय लोग लंबे समय से इसे फोरलेन बनाने और डिवाइडर लगाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है।

मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख की मदद, बस चालकों पर केस दर्ज: कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दोनों बसों की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक पाई गई है, जो इस हादसे की मुख्य वजह बनी। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मृतकों के परिजनों को 4–4 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50–50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही एसपी आशुतोष गुप्ता ने बताया कि दोनों बस चालकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

जर्मनी को टोमाहॉक मिसाइलें देने से पीछे हट सकता है अमेरिका, नाटो नीति में बड़े बदलाव के संकेत

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
05 जून (एजेंसी)

अमेरिका जर्मनी को लंबी दूरी की टोमाहॉक क्रूज मिसाइलें देने की योजना पर पुनर्विचार कर रहा है। खुफिया और कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, वॉशिंगटन को आशंका है कि इस मिसाइल तैनाती को रूस सीधे उकसावे के रूप में देख सकता है, जिससे यूरोप में तनाव और सैन्य टकराव का खतरा बढ़ सकता है। यह संभावित फैसला जर्मनी और नाटो सहयोगियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

विशेष रूप से इसलिए क्योंकि यह रक्षा समझौता बाइडेन प्रशासन के दौरान लंबी रणनीतिक चर्चा के बाद तैयार किया गया था। अब रिपोर्टों के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन इसे रद्द करने की संभावना पर विचार कर रहा है। जर्मनी लंबे समय से रूस से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों का हवाला देते हुए आधुनिक लंबी दूरी की रक्षा प्रणालियों की मांग करता रहा है। यूरोपीय और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस मुद्दे पर वॉशिंगटन में उच्च स्तर पर चर्चा जारी है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और पेंटागन के कुछ रणनीतिकारों का मानना है कि जर्मनी में अमेरिकी लंबी दूरी की मिसाइलों की तैनाती से मॉस्को की प्रतिक्रिया और अधिक आक्रामक हो सकती है। इसी कारण वर्तमान अमेरिकी नेतृत्व रूस के साथ प्रत्यक्ष सैन्य टकराव से बचने के विकल्पों पर विचार कर रहा है।

नाटो के प्रति बदलतअमेरिकी रुख

विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम केवल मिसाइल सौदे तक सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप और नाटो के प्रति अमेरिकी रणनीति में व्यापक बदलाव का हिस्सा हो सकता है। हाल के वर्षों में अमेरिका यूरोप में अपनी सैन्य मौजूदगी और सुरक्षा जिम्मेदारियों को सीमित करने के संकेत देता रहा है। इसी संदर्भ में नाटो के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल एलेक्सस ग्रिनकेविच ने हाल ही में कहा कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा के लिए अधिक जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका भविष्य में अपनी सैन्य क्षमताओं और संसाधनों का बड़ा हिस्सा इंडो–पैसिफिक जैसे उभरते रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित कर सकता है। यदि जर्मनी के साथ टोमाहॉक मिसाइल समझौता रद्द होता है, तो इसे ट्रांस–अटलांटिक सुरक्षा ढांचे में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जाएगा। साथ ही, यह यूरोपीय देशों पर अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाने के दबाव को और तेज कर सकता है।

खान सर के खिलाफ FIR दर्ज: फैजल खान पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार

» प्रथम न्यूज । पटना
05 जून (ब्यूरो)

पटना में कोचिंग विवाद में फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद पटना पुलिस की ओर से फैसल खान उर्फ खान सर के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पटना के कदम कुआं थाने में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत शिकायत दर्ज हुई है।

पुलिस ने अपने स्टेटमेंट पर यह शिकायत दर्ज कराई है और फैसल खान उर्फ खान सर को नामजद आरोपी बनाया है। पुलिस सूत्रों की मानें तो खान सर की गिरफ्तारी के लिए रेड की जा रही है।

पटना में 2 जून की रात खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ। इस मामले में खान सर के बॉडी गार्ड्स का भी फायरिंग करते वीडियो सामने आया है। इसके बाद पुलिस ने दोनों गार्ड्स को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। खान सर से भी पूछताछ हुई है।

फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद पटना पुलिस की ओर से फैसल खान उर्फ खान सर के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पटना के कदमकुआं थाने में हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत शिकायत दर्ज हुई है। पुलिस ने अपने स्टेटमेंट पर ये शिकायत दर्ज कराई है।

फैसल खान उर्फ खान सर को नामजद आरोपी बनाया है। पुलिस सूत्रों की मानें तो खान सर की गिरफ्तारी के लिए रेड की जा रही है। गार्ड्स के फायरिंग वाले वीडियो पर खान सर ने सफाई दी है। उन्होंने कहा, मारपीट हो रही थी। मुझे पता था पुलिस को पहुंचने में समय लगेगा। पुलिस वहां उड़कर तो नहीं पहुंचती, इसलिए हमने सेल्फ डिफेंस में फायरिंग की।

गार्ड क्यों रखते हैं ताकि समय पड़े तो लोगों को बचा सकें। जब तक पुलिस नहीं आई थी तब तक एक बॉडीगार्ड को क्या करना चाहिए था। क्या गार्ड्स ने किसी पर फायरिंग की। मेरे घर रात में कोई आया और मेरे गार्ड को मार कर अधमरा कर दिया।

क्या उस समय हम लोग उस पर फूल फेंकते या आरती की थाली लेकर खड़े रहते। मुझे भी मार दो। ये लोग चाहते हैं कि खान सर के फोटो के ऊपर माला चढ़ जाए।